RNI .NO. MPBIL / 2013/ 54381

संपादकः- डॉ. देवेन्द्र मालवीय

11 वर्ष

# दैनिक सद्भावना पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...

www.sadbhawnapaati.com Email: sadbhawnapaatinews@gmail.com इंदौर, शुक्रवार ●01 मार्च , 2024 वर्षः-11 अंक- 303 मूल्य -1 रु. कुल पृष्ठ - 8

# पीएम मोदी ने एमपी को दी 17 हजार 500 करोड़ की सौगात

● कई परियोजनाओं का वर्चुअली किया लोकार्पण और भूमिपूजन ● प्रधानमंत्री ने कहा-जनता ने दिया है अबकी बार 400 पार नारा

### कहा-मोदी की गारंटी पर देश का विश्वास भाव-विभोर करने वाला

**भोपाल।** प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि देश की जनता ने ही अबकी बार 400 पार का नारा दिया है। जनता का ये विश्वास भाव-विभोर करने वाला है। पीएम मोदी ने कहा कि गरीब को हर मुसीबत से बचाना ही मोदी की गारंटी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने गुरुवार को विकसित भारत, विकसित मध्यप्रदेश कार्यक्रम के तहत मध्यप्रदेश के लिए 17 हजार 500 करोड़ रुपए की विभिन्न परियोजनाओं का वर्चुअली लोकार्पण और भूमिपूजन किया। प्रधानमंत्री मोदी ने उज्जैन में विक्रमादित्य वैदिक घड़ी का भी शुभारंभ किया। साथ ही साइबर तहसील परियोजना की भी शुरुआत की। ये कार्यक्रम एमपी के सभी विधानसभा और लोकसभा क्षेत्र में हुआ। मुख्य कार्यक्रम राजधानी भोपाल के लाल परेड मैदान पर आयोजित किया गया है। यहां राज्यपाल मंगुभाई पटेल और मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव समेत मंत्रिमंडल के सदस्य मौजूद रहे।

### 10 सालों में 25 करोड़ लोग गरीबी से बाहर आए

मोदी बोले– बीते 10 वर्षों में गरीब कल्याण के जो काम हुए हैं। उससे गरीब परिवारों की आय बढ़ रही है। बीते 10 वर्षों में 25 करोड़ देशवासी गरीबी से बाहर आए हैं। यानी बीजेपी सरकार सही दिखा में काम कर रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि बीते 10 सालों में पूरे विश्व में भारत की साख बहुत बढ़ी है। उन्होंने कहा– आज विश्व के देश भारत के साथ दोस्ती करना पसंद करते हैं। इसका सीधा लाभ निवेश और पर्यटन में होता है। जब लोग भारत आएंगे तो एमपी आना तो स्वाभाविक है, क्योंकि एमपी तो अजब है, एमपी तो गजब है।

### गरीब को हर मुसीबत से बचाना ही मोदी की गारंटी

मोदी ने कहा कि गरीब को हर मुसीबत से बचाना ही मोदी की गारंटी है। एमपी का युवा चाहता है कि एमपी देश के अग्रणी औद्योगिक राज्यों में से एक बने। मैं एमपी के नौजवानों को कहूंगा कि आपके लिए बीजेपी सरकार नए अवसर बनाने में कोई कसर बाकी नहीं रख रही। आपके सपने ही मोदी का संकल्प हैं। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपना संबोधन शुरू करने से पहले डिंडौरी में हुए हादसे पर दुख जताया। उन्होंने कहा– मैं डिंडौरी सड़क हादसे पर अपना दुख व्यक्त करता हूं। जिन लोगों ने अपने परिजनों को खोया है।

# गिरफ्तारी के बाद भी दिखा शाहजहां शेख का अहंकार

● अकड़ दिखाते हुए कोर्ट में हुआ पेश, टीएमसी ने खुद ठोकी अपनी पीठ

**कोलकाता (एजेंसी)।** पश्चिम बंगाल के संदेशखाली में महिलाओं के यौन उत्पीड़न और जमीन हड़पने के आरोपी तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख को 55 दिन बाद गुरुवार सुबह गिरफ्तार कर लिया गया। इसके बाद उसे उत्तर 24 परगना जिले की एक अदालत में पेश किया गया, जहां से उसे दस दिनों की पुलिस कस्टडी में भेज दिया गया। मिनाखान से तड़के गिरफ्तारी के बाद शेख को सुबह 10 बजकर 40 मिनट पर बशीरहाट की अदालत में पेश किया गया। राज्य पुलिस ने शेख को 14 दिन की हिरासत में भेजे जाने का अनुरोध किया था लेकिन अदालत ने 10 दिन की पुलिस हिरासत की मंजूर दी। जिस दौरान शाहजहां शेख को अदालत में पेश करने के लिए ले जाया गया, उस दौरान उसके चेहरे पर अहंकार दिखाई दे रहा था। अदालत में पेशी के दौरान शाहजहां शेख काफी अकड़ कर चलते हुए दिखाई दिया। उसकी बॉडी लैंग्वेज से उसकी अकड़ साफ देखी जा सकती है। इस दौरान,

वहां पत्रकारों ने भी कई सवाल पूछे, लेकिन उसने उंगली के इशारे से जवाब देने से मना कर दिया। शाहजहां की गिरफ्तारी के बाद पुलिस ने बताया कि शेख को उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखाली से लगभग 30 किलोमीटर दूर मिनाखान में एक घर से गिरफ्तार किया गया।

# यादव महाकुंभ में शामिल होने यूपी जाएंगे सीएम

## एक माह में दूसरा दौरा, बैनर पोस्टर्स में लिखा-यादव चला मोहन के साथ

भोपाल। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव एक महीने में दूसरी बार उत्तर प्रदेश के दौरे पर जाएंगे। 3 मार्च को लखनऊ में यादव महाकुंभ के आयोजन में सीएम डॉ. मोहन यादव मुख्य अतिथि के तौर पर शामिल होंगे। लखनऊ के बिजनौर रोड स्थित गुडौरा मैदान पर आयोजित यादव महाकुंभ में शामिल होंगे। इस दौरान यूपी के अलग-अलग जिलों से आए यादव समाज के लोगों को संबोधित करेंगे। मुख्यमंत्री यादव वोटर्स को बीजेपी के पाले में लाने की रणनीति पर काम कर रहे हैं। इसी के चलते यादव समाज बहुतायत वाले राज्यों यूपी और बिहार में सीएम मोहन के दौरे हो रहे हैं। 13 फरवरी को सीएम मोहन यादव यूपी के आजमगढ़ के दौरे पर गए थे। आजमगढ़ कलस्टर में शामिल 5 लोकसभा सीटों के प्रमुख भाजपा कार्यकर्ताओं, पदाधिकारियों के साथ बैठक की थी। आजमगढ़ कलस्टर की पांच लोकसभा सीटें जिसमें आजमगढ़, लालगंज, मऊ जिले की घोषी और बलिया, सलेमपुर सीटों के लिए मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव ने रणनीति पर चर्चा की थी। उत्तर प्रदेश की ओबीसी आबादी में 20 फीसदी की आबादी अकेले यादव समाज की है। पूरे यूपी में करीब 9 फीसदी यादव वोटर हैं। यूपी की 80 लोकसभा सीटों में से 11 लोकसभाएं ऐसी हैं जहां यादव वोटर्स प्रभावशाली हैं। इटावा, मैनपुरी, बदायूं, फैजाबाद, संत कबीर नगर, बलिया, आजमगढ़, एटा, मैनपुरी, फिरोजाबाद, जौनपुर इन सीटों पर यादव वोटर्स प्रभावशाली हैं।

# एमपी के डिंडौरी में हादसा 14 लोगों की मौत

● टर्निंग पर अनियंत्रित होकर 20 फीट नीचे खेत में गिरी पिकअप, 20 घायल

**डिंडौरी (एजेंसी)।** डिंडौरी में एक पिकअप वाहन पलटने से 14 लोगों की मौत हो गई। 20 लोग घायल हैं। वाहन में 35 लोग सवार थे। हादसा शहपुरा थाना क्षेत्र में गुरुवार तड़के तीन से चार बजे के बीच हुआ। मृतकों में 6 पुरुष और 8 महिलाएं शामिल हैं। सभी की उम्र 16 से 60 वर्ष के बीच है। इनमें सात लोग अम्हाई देवरी के हैं। दो पोंडी और एक-एक शव धमनी व सजनिया ले जाए गए हैं। पुलिस ने पिकअप ड्राइवर अजमेर टेकाम निवासी करोंदी को हिरासत में ले लिया है। पिकअप अजमेर की पत्नी के नाम रजिस्टर्ड है। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक जगन्नाथ मरकाम ने बताया कि पिकअप अमाही देवरी गांव से मंडला जिले के मसूर घुघरी गांव गई थी। लौटते समय एक टर्निंग पर पिकअप पलटी और 20 फीट नीचे खेत में जा गिरी। कलेक्टर विकास मिश्रा ने बताया कि वाहन का बीमा और फिटनेस एक्सपायर हो चुका था। पिकअप वाहन माल ढोने के काम आता है। इससे सवारी ढोने की अनुमति नहीं होती है।

### मृतकों के परिजन को 4.70 लाख, घायलों को 1.50 लाख की सहायता

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ट्वीट कर घटना पर दुख जताया है। उन्होंने मृतकों के परिजन और घायलों को प्रधानमंत्री राहत कोष से 50-50 हजार रुपए की सहायता देने की घोषणा की। इधर, मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने कहा, कठिन समय में मदद करना हमारा फर्ज बनता है। मृतकों के परिजन को 4-4 लाख और घायलों को 1-1 लाख रुपए की आर्थिक सहायता दी जाएगी। जांच के बाद क्लियर होगा कि ड्राइवर ने दारू पी थी या नहीं। ये उसका निजी वाहन है। इसमें उसके परिवार के लोगों को ही बैठाया गया था।

# हिमाचल में क्रॉस वोटिंग करने वाले 6 कांग्रेस विधायक अयोग्य

## प्रतिभा सिंह बोलीं-फैसला हाईकमान को लेना है; भाजपा ने कहा-ये विधायक हमारे होंगे

**शिमला (एजेंसी)।** हिमाचल विधानसभा के स्पीकर कुलदीप पठानिया ने राज्यसभा चुनाव में क्रॉस वोटिंग करने वाले 6 कांग्रेसी विधायकों को अयोग्य करार दे दिया है। उन्हें पार्टी व्हिप के उल्लंघन का दोषी माना गया है। हिमाचल के इतिहास में पहली बार विधायकों पर ऐसी कार्रवाई की गई है। स्पीकर ने कहा, ये लोग आया राम, गया राम की पॉलिटिक्स कर रहे हैं। ऐसा नहीं होना चाहिए। इन लोगों ने खुद एंटी डिफेक्शन लॉ को न्योता दिया। हिमाचल कांग्रेस अध्यक्ष प्रतिभा सिंह ने विधायकों के निष्कासन पर सवाल उठाए।

राज्यपाल को लोक सेवा आयोग का 66वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट

# मप्र लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष और सदस्य ने राजभवन में की सौजन्य भेंट

भोपाल। राज्यपाल मंगुभाई पटेल से मध्यप्रदेश लोक सेवा आयोग के अध्यक्ष डॉ. राजेशलाल मेहरा, सदस्य चन्द्रशेखर रायकवार एवं सचिव प्रबल सिपाहा ने राजभवन में सौजन्य भेंट की। उन्होंने राज्यपाल श्री पटेल को आयोग का 66वां वार्षिक प्रतिवेदन भेंट किया। राज्यपाल श्री पटेल को आयोग के अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा वर्ष 2022-23 में राज्य शासन के विभिन्न विभागों के लिए 5 हजार 391 पदों हेतु 61 विज्ञापन जारी किये गये। आयोग द्वारा राज्य सेवा मुख्य परीक्षा एवं राज्य वन सेवा मुख्य परीक्षा 2020 सहित कुल 11 परीक्षाएं आयोजित की गई है। आयोग द्वारा शासन को कुल 554 पदों पर अभ्यर्थियों के चयन की अनुशंसा भेजी गई है। राज्य शासन को 145 प्रकरणों में विभागीय जांच, अनुशासनात्मक कार्यवाही का परामर्श संसूचित किया है। विभागीय पदोन्नति के लिए 40 बैठकों का आयोजन किया गया है। आयोग द्वारा प्रतियोगी परीक्षाओं में प्रश्न पत्र रचना के विभिन्न पहलुओं पर सेमिनार आयोजित किये गये हैं। लोक सेवा आयोग अध्यक्ष डॉ. मेहरा ने बताया कि आयोग द्वारा परीक्षा एवं साक्षात्कार में सम्मिलित होने वाले आवेदकों को परीक्षा नियमों एवं निर्देशों की पूरी जानकारी देने के लिए डाक्यूमेंट्री फिल्म प्रदीप्ति का निर्माण कराया है।

सोलर रूफ टॉप स्कीम पर मोदी सरकार का बड़ा फैसला

# एक करोड़ परिवार अब पाएंगे फ्री बिजली और साथ में करेंगे कमाई

नई दिल्ली (एजेंसी)। केंद्र सरकार ने रूफटॉप सोलर स्कीम के लिए 75 हजार करोड़ रुपये की राशि मंजूर की है। इस स्कीम से देश के एक करोड़ परिवारों को फायदा पहुंचाने का लक्ष्य तय किया गया है। केंद्रीय मंत्री अनुराग ठाकुर ने कैबिनेट मीटिंग में हुए इस फैसले की जानकारी दी। उन्होंने कहा, पीएम मोदी के नेतृत्व में हुई मीटिंग में यह फैसला हुआ है। पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना को मंजूरी दी गई है। इससे एक करोड़ परिवारों को 300 यूनिट बिजली मुफ्त में हर महीने मिल सकेगी। इस स्कीम के तहत प्रति एक किलोवॉट सिस्टम पर हर परिवार को 30 हजार रुपये की सब्सिडी मिलेगी। इसके अलावा 2 किलोवॉट सिस्टम के तहत 60 हजार रुपये की सब्सिडी मिलेगी।

# मध्यप्रदेश में अपार संभावनाएं निवेश के लिए तैयार: सीएम

## सिंगापुर के निवेशक और कंपनियां मध्यप्रदेश में निवेश के लिए इच्छुक

## सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वांग के प्रतिनिधिमंडल के साथ सौजन्य भेंट

**भोपाल।** मध्यप्रदेश के हर क्षेत्र में निवेश की अपार संभावनाएं हैं। निवेश के लिए इच्छुक सभी संस्थाओं को आवश्यक सहायता उपलब्ध कराई जायेगी। यह बात मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मुख्यमंत्री निवास पर भारत में सिंगापुर के उच्चायुक्त साइमन वांग के प्रतिनिधिमंडल के साथ सौजन्य भेंट के दौरान कही। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रतिनिधिमंडल का शाल और पुष्पगुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव को उच्चायुक्त श्री वांग ने बताया कि वह पहली बार मध्यप्रदेश आए हैं। मध्यप्रदेश में नवगठित सरकार ने पिछले 60 दिनों में विकास और जनहित के जो कार्य किए हैं वह प्रशंसा योग्य है। साथ ही प्रदेश में विकास के लिए निवेश के नए द्वार के रूप में उज्जैन में रीजनल इंडस्ट्री कॉन्क्लेव का आयोजन एक ऐतिहासिक निर्णय है।

# यूएन में भारत बोला-पाकिस्तान खून में डूबा हुआ देश

**संयुक्त राष्ट्र (एजेंसी)।** यूएन में भारत ने कहा कि पाकिस्तान एक ऐसा देश है जो खून में डूबा हुआ है। दरअसल, पाकिस्तान ने एक बार फिर कश्मीर का मुद्दा उठाया था। भारत ने अपने राइट टु रिप्लाई (जवाब देने के अधिकार) का इस्तेमाल करते हुए कहा– जिस देश में अल्पसंख्यकों का उत्पीड़न संस्थाएं करती हों और जिसका मानवाधिकार रिकॉर्ड वास्तव में खराब है, उसे भारत के खिलाफ बयान देने का अधिकार नहीं है। बुधवार को जेनेवा में हो रहे संयुक्त राष्ट्र मानवाधिकार परिषद के 55वें सेशन के हाई लेवल सेगमेंट में फर्स्ट सेक्रेटरी अनुपमा सिंह ने कहा– हम उस देश पर और ज्यादा ध्यान नहीं दे सकते जो दुनिया भर में बदनाम है।

# 219 लोगों की गई जान, 800 करोड़ का नुकसान

### हिंसा की आग में अभी भी झुलस रहा मणिपुर, हाल बेहाल

**इम्फाल (एजेंसी)।** मणिपुर पिछले साल मई से मैतेई और आदिवासी कुकी समुदायों के बीच जातीय संघर्ष से प्रभावित है। कई सुरक्षाकर्मियों की तैनाती के बावजूद हिंसा बदस्तूर जारी है। इस दौरान 219 लोगों की जान चली गई और राज्य को 800 करोड़ का नुकसान हुआ है। मणिपुर की इस स्थिति पर राज्यपाल अनुसुइया उइके ने प्रकाश डाला है। बुधवार को उइके ने बताया कि पिछले साल मई से पूर्वोत्तर राज्य में हुई जातीय हिंसा में अब तक 219 लोग मारे गए हैं। 12वीं मणिपुर विधानसभा के पांचवें सत्र के पहले दिन अपना संबोधन देते हुए उइके ने शांति और सामान्य स्थिति लाने के लिए किए गए प्रयासों और राज्य की अर्थव्यवस्था पर हिंसा के प्रभाव के बारे में बात की। अपने संबोधन में उइके ने कहा, यह दुर्भाग्यपूर्ण है कि हिंसा के कारण 219 लोगों की जान चली गई है। जिन परिवारों ने अपने प्रियजनों को खोया है, उन्हें सत्यापन के आधार पर 10-10 लाख रुपये का मुआवजा दिया जा रहा है। पीड़ितों के शव उनके परिवारों को दे दिए गए हैं और उनका अंतिम संस्कार किया गया है। उइके ने बताया कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए राज्य में केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बल (सीएपीएफ) की 198 कंपनियां और सेना की 140 टुकड़ियां तैनात की गई हैं।

1993 सीरियल बम ब्लास्ट केस

# 30 साल पुराने केस में आरोपी करीम टुंडा बरी

**अजमेर/जयपुर (एजेंसी)।** बहुचर्चित शताब्दी एक्सप्रेस ट्रेन सीरियल बम ब्लास्ट का मामले में गुरुवार को बड़ा फैसला आया। 1993 के सीरियल बम ब्लास्ट केस में आरोपी सैयद अब्दुल करीम टुंडा को अजमेर की टाडा कोर्ट ने बरी कर दिया गया है। 1993 में 5 शहरों में हुए सीरियल ब्लास्ट केस में आरोपी अब्दुल करीम टुंडा को टाडा कोर्ट ने बरी कर दिया है, जबकि दो आतंकवादियों इरफान और हमीदुद्दीन को दोषी करार दिया गया है। यह मामला साल 2014 से विचाराधीन था। इस मामले में टुंडा सहित करीब 17 आरोपियों को गिरफ्तार किया गया था।

प्रदेश पाती

दैनिक सद्भावना पाती

इंदौर, शुक्रवार 01 मार्च , 2024

## नाईजीरियाई स्टेशन की तर्ज पर बन रहा है इंदौर स्टेशन

इंदौर। रेलवे ने इंदौर रेलवे स्टेशन रीडेवलपमेंट प्रोजेक्ट के तहत मुख्य बिल्डिंग का जो डिजाइन बनाया है, उसे नाईजीरिया के एक स्टेशन की कॉपी बताया जा रहा है। नाईजीरिया का मोबोलॉजी जॉनसन स्टेशन वहां का सबसे बड़ा रेलवे स्टेशन बताया जाता है। उसकी मुख्य बिल्डिंग की डिजाइन और इंदौर स्टेशन के मुख्य भवन का मॉडल काफी मिलता-जुलता दिख रहा है। हालांकि स्थानीय स्तर पर इस बारे में बोलने वाला कोई नहीं है, क्योंकि यह डिजाइन रेल मंत्रालय से स्वीकृत हुआ है। इन दिनों कुछ सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म पर यह डिजाइन सर्कुलेट हो रहा है। इसमें दोनों स्टेशनों की डिजाइन को लोग असाधारण तरह से समान बता रहे हैं और तंज कस रहे हैं कि लगता है रेलवे ने नकल में भी ज्यादा अकल नहीं लगाई। देखने में साफ दिख रहा है कि मध्य और ऊपरी भाग में कुछ फेरबदल कर इंदौर की डिजाइन तय कर दी गई है।एक और दिलचस्प बात यह है कि नाईजीरिया के मोबोलॉजी जॉनसन स्टेशन की डिजाइन की झलक बीना की नई स्टेशन बिल्डिंग में भी दिखेगी। अब सोशल मीडिया पर लोग चर्चा कर रहे हैं कि देश के और स्टेशन की डिजाइनों को जांचा जाए तो संभव है कि कुछ और स्टेशन की डिजाइन भी नाईजीरियाई स्टेशन से मेल खाती हुई दिखेगी।

## रेसीडेंसी क्षेत्र को राजस्व रिकार्ड पर लाने का काम जारी, रहवासी नहीं दिखा रहे रुचि

इंदौर। रेसीडेंसी क्षेत्र को राजस्व रिकार्ड पर लाने का काम जारी है। ड्रोन सर्वे के बाद क्षेत्र का नक्शा तैयार किया जा चुका है। अब रहवासियों से संपत्तियों के दस्तावेज लिए जा रहे हैं, ताकि इसके अनुसार खसरा और अन्य रिकार्ड तैयार कर सके। एक मार्च तक दस्तावेज लिए जाना है, इसके बाद भी महज 50 के करीब लोगों ने ही दस्तावेज जमा कराए है। अधिकांश लोग दस्तावेज जमा करने में रूची नहीं दिखा रहे।रेसीडेंसी क्षेत्र का ड्रोन सर्वे राजस्व विभाग ने पूरा कर 1030 एकड़ के करीब जमीन का नक्शा बनाया गया है। अब सर्वे के फोटो और वीडियों के अनुसार संपत्तियों का भौतिक सत्यापन किया जाना है। किस के पास कितनी जमीन है, इसके दस्तावेज मांगे जा रहे है। 15 फरवरी से दस्तावेज एकत्रीकरण कार्य शुरू हुआ।भू-अभिलेख शाखा प्रभारी अनिल मेहता का कहना है कि रेसीडेंसी क्षेत्र के रहवासियों की संपत्तियों के दस्तावेज लिए जा रहे है। एक मार्च तक लोग कलेक्टर कार्यालय में दस्तावेज जमा करा सकते है। इन दस्तावेजों की जांच कर खसरे और राजस्व रिकार्ड में दर्ज किया जाएगा। प्रतिनिधियों के साथ होगी बैठक

रेसीडेंसी क्षेत्र के रहवासी जमीन से संबंधित दस्तावेज जमा कराने में रूची नहीं दिखा रहे है। कम संख्या में दस्तावेज आने पर अब अंतिम तारीख को आगे बढ़ाया जा सकता है। इसके साथ ही स्थानीय जनप्रतिनिधियों के साथ भी बैठक की जाएगी। ताकि अधिक से अधिक लोगों को जागरूक कर दस्तावेज एकत्रित करने का काम हो सके। इन क्षेत्रों से एकत्रित करना है दस्तावेज रेसीडेंसी क्षेत्र में एक दर्जन से अधिक कालोनियां शामिल है। इसमें रेसीडेंसी कोठी, रेसीडेंसी उद्यान, सरकारी बंगले, रेडियो कालोनी, रतलाम कोठी, एबी रोड स्थित रुक्मणी मोटर्स परिसर, सिटी बस कार्यालय परिसर, एमवाय अस्पताल क्षेत्र, चिड़ियाघर, मूसाखेड़ी और आजाद नगर, व्यास बस्ती के अलावा कुछ क्षेत्र मुसाखेड़ी का शामिल है।

## विनोबा दर्शन - विनोबा के साथ उनतालिस दिन% पुस्तक का लोकार्पण और संवाद कार्यक्रम 03 मार्च को

### मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल होंगे मुख्य अतिथि

इंदौर। 1960 में विनोबा जी के इंदौर प्रवास पर वरिष्ठ पत्रकार स्व. प्रभाष जोशी द्वारा की गई रिपोर्टिंग पर आधारित पुस्तक %विनोबा दर्शन - विनोबा के साथ उनतालीस दिन% का लोकार्पण समारोह दिनांक 03 मार्च 2024, रविवार को शाम 5.30 बजे इंदौर प्रेस क्लब में आयोजित किया जा रहा है। इंदौर प्रेस क्लब अरविंद तिवारी एवं प्रभाष परंपरा न्यास के सहसचिव राकेश सिंह ने बताया कि प्रेस क्लब के राजेंद्र माथुर सभागार में होने वाले इस कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मध्यप्रदेश के उपमुख्यमंत्री राजेंद्र शुक्ल होंगे। विशिष्ट अतिथि पूर्व सांसद आर.के. सिन्हा एवं इंदिरा गांधी राष्ट्रीय कला केंद्र के अध्यक्ष व वरिष्ठ पत्रकार रामबहादुर राय, वरिष्ठ पत्रकार श्रवण गर्ग और गांधीवादी चिंतक अनिल त्रिवेदी अतिथि वक्ता के रूप में शामिल होंगे।

# नर्मदापुरम में स्कूल संचालक की हत्या का खुलासा

### सामाजिक बहिष्कार, कामों में अड़चन डालता था संचालक, इसलिए प्लानिंग से फायरिंग कर की हत्या

नर्मदापुरम (निप्र)। नर्मदापुरम जिले के बनखेड़ी के ग्राम चांदौन में 20 फरवरी की रात को स्कूल एवं पेट्रोल पंप संचालक पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर हत्या सामाजिक बहिष्कार, एट्रोसिटी एक्ट केस व व्यावसायिक कार्यों में अड़चन डालने की वजह से हुई थी। वारदात का मुख्य आरोपी शेवेंद्र उर्फ पप्पू तिवारी निवासी चांदौन है। जिसने परेशान होकर अपने रिश्तेदारों के साथ मिलकर स्कूल संचालक को खत्म करने की पूरी प्लानिंग की। आरोपी ने सिलवानी से शूटरों को घटना को अंजाम देने के लिए तैयार किया। जिसके लिए उन्हें पिस्टल व नगद 20 हजार रुपए भी दिए। इस पूरी घटना में 8 लोगों को पुलिस ने गिरफ्तार किया। वारदात के 8वें दिन नर्मदापुरम एसपी डॉक्टर गुरकरन सिंह ने पुलिस कंट्रोल रुम में खुलासा किया। मुख्य आरोपी पप्पू तिवारी, उसके बेटे सत्यम तिवारी समेत 8 आरोपियों को पुलिस ने आज पिपरिया कोर्ट पेश किया। जहां से उसे जेल भेज दिया गया। एसपी सिंह ने बताया व्यावसायिक कार्यों में अड़चन डालने, एट्रोसिटी एक्ट केस में मृतक का हाथ होने व गांव से आरोपी परिवार को दूर करने जैसी वजह को लेकर आरोपी शेवेंद्र उर्फ पप्पू तिवारी ने चंदन पटवा की हत्या की योजना बनाई। सिलवानी के ग्राम बम्होरी में ढाबे पर आरोपी शेवेंद्र तिवारी, कार्तिक रघुवंशी, श्रीकान्त रघुवंशी, आकाश मिश्रा एवं राजेश दुबे द्वारा चंदन पटवा को जान से मारने के संबंध में योजना बनाई थी एवं काम होने के बाद सुपियार शिल्पी, कार्तिक व श्रीकान्त को 20,000 रुपए, पिस्टल शेवेंद्र ने उपलब्ध कराई थी।

### वारदात से आधे घंटे पहले की रैकी, फिर की ताबड़तोड़ फायरिंग की

20फरवरी को आरोपियों ने वारदात से पहले प्लानिंग के तहत आरोपी कार्तिक रघुवंशी व श्रीकान्त रघुवंशी अपनी प्लेटिना बाइक से गांव से चांदौन के लिए निकले। रास्ते में ग्राम साईखेड़ा के मोड़ पर आरोपी रामजी नारगड़िया को लेकर ग्राम चांदौन पहुंचे। आरोपी सुपिवार शिल्पी निवासी कीरतपुर जिला रायसेन से भी स्कूटी में से चांदौन पहुंचा था। शेवेन्द्र उर्फ पप्पू तिवारी ने श्रीकांत और सुपियार शिल्पी बलेनो कार में बैठा लिया। घटना के पूर्व शाम लगभग 05.30 बजे आरोपी शेवेन्द्र तिवारी की नीले रंग की बलेनो कार से चंदन पटवा के निर्माणाधीन पेट्रोल पंप से 200 मीटर दूर गाड़ी खड़ी कर घटना का अंतिम प्रारूप तैयार किया। शाम 06 बजे के लगभग शेवेन्द्र तिवारी ने मृतक चंदन पटवा को जान से मारने के लिए आरोपी कार्तिक रघुवंशी को 1पिस्टल, कारतूस, एक पिस्टल, कारतूस खुद के पास रखा। शेवेन्द्र तिवारी की कार जिसे आरोपी श्रीकान्त रघुवंशी चला रहा था। घटना को अंजाम देने के लिए मृतक चंदन पटवा के निर्माणाधीन पेट्रोल पंप पहुंचे। जहां पर चंदन पटवा को देखकर गाड़ी उसके पास ले जाकर गाड़ी खड़ी कर दी। फिर आरोपी कार्तिक चंदन पटवा पर ताबड़तोड़ फायरिंग कर दी। चंदन पटवा व आसपास लोग हड़बड़ाकर इधर-उधर भागने लगे। ड्रायवर सीट के पीछे बैठे शेवेन्द्र तिवारी ने गाड़ी से उतरकर चंदन पटवा के ऊपर 2 राउंड फायर किए। जिससे चंदन घायल हो गया। कुछ सेकंड बाद ही आरोपी भागने लगे। निर्माणाधीन पेट्रोल पंप पर उपस्थित कर्मचारियों ने गाड़ी पर पत्थर फेंके। जिससे आरोपी की कार का कांच फूट गया। घायल होने से चंदन पटवा का ड्राइवर अफसर खान व अन्य लोग इलाज के लिए बनसखेड़ी से गए। नर्मदापुरम ले जाते समय रास्ते में उसने दम तोड़ दिया। आरोपी बनखेड़ी के रास्ते कपूरी रोड झिकोली होते हुए उदयपुरा के ग्राम वर्धा में राजेश उर्फ गुड्?डू दुबे (शेवेंद्र का साडू भाई) के घर पहुंचे। शेवेंद्र ने अपने बेटे सत्यम तिवारी को वर्धा बुलाया और कार का कांच सुधरवाने भेज दिया। आरोपी सुपियार शिल्पी, श्रीकांत रघुवंशी, कार्तिक रघुवंशी को 20 हजार रुपए देकर कुछ दिन के लिए घर से बाहर फरारी काटने को कहा। एसपी सिंह ने एएसपी आशुतोष मिश्रा के निर्देशन में 5 टीमें गठित की। टीम ने भोपाल, रायसेन, कटनी, नर्मदापुरम, नरसिंहपुर जाकर आरोपियों को गिरफ्तार किया। आरोपी चालक श्रीकांत रघुवंशी, कार्तिक रघुवंरी, शेवेन्द्र तिवारी उर्फ पप्पू महाराज, रामजी नरगडिया एवं सुपियार शिल्पी ने हत्या करना स्वीकार किया। आरोपी आकाश मिश्रा निवासी कीरतपुर, राजेश दुबे निवासी वर्धा एवं शेवेन्द्र तिवारी के बड़े पुत्र सत्यम तिवारी द्वारा अपराध में सहयोग व साक्ष्य छुपाने के आरोप में आरोपी बनाया गया।

### हत्या के ये भी 8 आरोपी

शेवेंद्र उर्फ पप्पू तिवारी निवासी चांदौन, कार्तिक रघुवंशी (21) निवासी सिमरिया सिलवानी, श्रीकांत रघुवंशी (23) निवासी चौका सिलवानी, रामजी नरगड़िया (20) निवासी साईखेड़ा, सुपियार शिल्पी निवासी कीरतपुर, राजेश उर्फ गुड्?डू दुबे (48) निवासी वर्धा, आकाश मिश्रा (27) निवासी कीरतपुर, सत्यम पिता शेवेंद्र तिवारी निवासी चांदौन।

### एसपी ने पुलिसकर्मियों की सराहना

एसपी डॉक्टर गुरकरन सिंह ने कहा हत्या के खुलासा व आरोपियों को पकड़ने वाली गठित टीम को आईजी की तरफ से 30 हजार के इनाम देने की घोषणा की है। टीम में एसडीओपी कल्याणी बरकड़े, संजू चौहान के मार्गदर्शन में टीआई सुधाकर बारस्कर व गिरीश त्रिपाठी की टीमें बनाई गई। जिसमें एसआई आकाशदीप पचाया, सहादत अली, परसराम मालवीय, विवेक यादव, संजीव पवार, खुमानसिंह पटेल, साइबर टीम से आरक्षक अभिषेक, संदीप शामिल रहे। प्रधानआरक्षक हरिओम रजक व आरक्षक शुभम दुबे की आरोपियों तक पहुंचने में महत्वपूर्ण भूमिका रही। एसपी ने पुलिस कंट्रोल रुम के बाहर दोनों को बधाई भी दी।

## पीएम जनमन योजना से लाभान्वित हो रहे सहरिया जनजाति परिवार

विदिशा , (निप्र)। पीएम जनमन योजना (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महाअभियान) पीव्हीटीजी अंतर्गत विदिशा जिले में निवासरत सहरिया जनजातिय बाहुल्य ग्रामों में हितलाभ वितरण हेतु जिला प्रशासन द्वारा गठित पीएम जनमन टीमों द्वारा हितग्राहियों तक पहुंचकर उन्हें लाभान्वित किया जा रहा है। कलेक्टर श्री उमाशंकर भार्गव के मार्गदर्शन में विदिशा जिले में अधिकारी, कर्मचारियों द्वारा सहरिया जनजाति परिवारों को चिन्हित कर उन्हें शासन की विभिन्न महत्वाकांक्षी योजनाओं से लाभान्वित कर मुख्य धारा से जोड़ने का प्रयास किया गया है। पीएम जनमन योजना अंतर्गत हितग्राहियों के प्रगतिरत आवासों पर सहरिया जनजाति परिवार के सदस्यों ने प्रशंसा जाहिर की है। बासौदा जनपद अंतर्गत आने वाली ग्राम पंचायत तबक्कलपुर में हितग्राही श्रीमती ममताध्राकेश , ग्राम पंचायत सेरवासा में हितग्राही श्रीमती राज बाईध्परमानंद, ग्राम पंचायत तबक्कलपुर में हितग्राही श्री कल्याण सिंह, ग्राम पंचायत पिपरिया दौलत में हितग्राही श्री हरिरामध्मोती ग्राम पंचायत अंबानगर में हितग्राही श्री सुनीलध्मोहनलाल, ग्राम पंचायत भाटनी में हितग्राही श्री शिवरामध्मिश्रीलाल, ग्राम पंचायत डिडौली में हितग्राही श्री उमेशध्भारत सिंह, ग्राम पंचायत कंजना में हितग्राही श्रीमती ममताबाईध्तुलसीराम और ग्राम पंचायत औरंगपुर में हितग्राही श्रीमती अनीता बाईध्विजय समेत ग्राम पंचायत आकागोंडा में भी हितग्राहियों को स्वीकृत किए गए आवासों का निर्माण कार्य प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत प्रगतिरत है शीघ्र ही हितग्राहियों को पक्की छत मुहैया हो सकेगी। पीएम जनमन योजना (प्रधानमंत्री जनजाति आदिवासी न्याय महा अभियान) तहत पक्के आवासों के निर्माण के लिए लाभान्वित हितग्राहियों ने प्रधानमंत्री जी के प्रति आभार व्यक्त किया है।पीएम जनमन योजना अंतर्गत जिले के बासौदा विकासखंड अंतर्गत आने वाले विभिन्न ग्रामों में सहरिया जनजाति आदिवासी परिवारों को प्रधानमंत्री आवास योजना अंतर्गत पक्के मकान बनाकर दिए जा रहे हैं इन हितग्राहियों को आवास स्वीकृत कर उनके पक्के आवास प्रगतिरत हैं, इस कार्य की बासौदा एसडीएम श्री विजय राय स्वयं मॉनिटरिंग कर रहे हैं।

## पालीटेक्निक महाविद्यालय में निबंध लेखन प्रतियोगिता सम्पन्न

हरदा (निप्र)। शासकीय पॉलिटेक्निक महाविद्यालय, हरदा में मंगलवार को भारतीय मानक ब्यूरो के तत्वधान में ÷सड़क यातायात सुरक्षा प्रबंधन प्रणाली'' विषय पर निबंध लेखन प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। प्रतियोगिता में मानक क्लब के 20 विद्यार्थियों ने भाग लिया। इस प्रतियोगिता का उद्देश्य विद्यार्थियों को यातायात सुरक्षा, मानकों एवं गुणवत्ता से जागरुक कराना था।

कार्यक्रम का संचार मेंटर एवं अतिथि व्याख्याता सचिन त्रिपाठी, पॉलिटेक्निक कॉलेज हरदा द्वारा किया गया व कार्यक्रम में विशेष अतिथि के रुप में ट्रेनिंग प्लेसमेंट अधिकारी श्री विकास भूमरकर, एच.ओ.डी एवं आर.एस.टी. बीआईएस श्री शुभम अग्रवाल उपस्थित रहे। प्रतियोगिता में प्रथम पुरस्कार पृथ्वीराज राठौर एवं कृपांक कुम्भारे, द्वितीय पुरस्कार खुशी केवाट एवं महिमा चंदेला व तृतीय पुरस्कार अदनान खान एवं हर्ष सोनी तथा चतुर्थ पुरस्कार दुर्गेश को दिया गया। सभी विजेताओं को पुरस्कार राशि राशी क्रमशः 1 हजार रूपये, 750 रूपये, पांच सौ रूपये व 250 रूपये प्रदान की गई।

## केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण द्वारा आष्टा के लाइनमेन का किया जाएगा सम्मान 4 मार्च को नई दिल्ली में आष्टा में कार्यरत लाइन अटेंडेंट श्री उदय सिंह होगें सम्मानित

सीहोर , (निप्र)। केन्द्रीय विद्युत प्राधिकरण, विद्युत मंत्रालय, भारत सरकार नई दिल्ली द्वारा देश में लाइनमेनों द्वारा विद्युत क्षेत्र में किये जा रहे उत्कृष्ट कार्यों और विद्युत क्षेत्र के विकास से देश की तरक्की में किये जा रहे निस्वार्थ योगदान को मान्यता देने के लिए इन्हें सम्मानित किया जायेगा। इन्हें नई दिल्ली स्थित इंडिया हैबिटेट सेंटर में 4 मार्च को आयोजित होने वाले लाइनमेन दिवस समारोह-2024 में सम्मानित किया जाएगा। दिल्ली में आयोजित होने वाले लाइनमेन दिवस समारोह में मध्य क्षेत्र विद्युत वितरण कंपनी कार्यक्षेत्र में उत्कृष्ट प्रदर्शन के आधार पर सीहोर वृत्त के आष्टा संभाग में कार्यरत लाइन अटेंडेंट श्री उदय सिंह को सम्मानित किये जाने के लिये चयनित किया गया है। कार्यक्रम के लिये कंपनी के वरिष्ठ प्रकाशन अधिकारी श्री मनोज द्विवेदी को नोडल अधिकारी बनाया गया है।

## पिस्तौल लहराने संबंधी वीडियो के मामले में आरोपी गिरफ्तार

हरदा (निप्र)। कुछ दिन पूर्व व्हाट्सएप पर वायरल हो रहे वीडियो मे हाथ में पिस्तौल लिए दिख रहे व्यक्ति पूनम ऊर्फ कल्लू विसनोई निवासी मांदला को छीपावड़ पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे निर्देशन में पकड़ लिया गया है। पूनम ऊर्फ कल्लू विश्नोई द्वारा बताया गया है कि कुछ दिन पहले उसके दोस्त दीपक यादव निवासी मांदला के पास एक देशी पिस्तौल रखी थी जिसको लेकर मैंने वीडियो बनाया था। थाना छिपाबाड़ पुलिस द्वारा सोमवार को दीपक पिता भागीरथ यादव उम्र 25 वर्ष निवासी मांदला को बस स्टैंड मांदला के पास से अभीरक्षा में लेकर तलाशी ली गई। तलाशी के दौरान दीपक यादव को पिस्तौल व दो जिंदा कारतूस के साथ गिरफ्तार किया गया एवं उसके विरुद्ध अपराध क्रमांक 83/24 धारा 25, 27 आर्म्स एक्ट के तहत पंजीकृत किया गया। कार्यवाही में थाना प्रभारी निकिता विल्सन, उप निरीक्षक पुरुषोत्तम गौर, सहायक उपनिरीक्षक श्री के. के. दीक्षित, सहायक उपनिरीक्षक श्री मनोहरी राय, प्रधान आरक्षक श्री सुनील बघेल, आरक्षक श्री रविंद्र व श्री नवीन कुशवाहा की महत्वपूर्ण भूमिका रही।

## शास.पॉलीटेक्निक कॉलेज में स्टेंडर्डस राइटिंग कॉम्पीटीषन का आयोजन

रायसेन (निप्र)। शासकीय पॉलीटेक्निक महाविद्यालय रायसेन में भारतीय मानक ब्यूरो स्टेंडर्डस राइटिंग कॉम्पीटीषन का आयोजन किया गया। जिसमें आरएसटी अतिथि श्री अविनाश कथौरिया थे। महाविद्यालय के प्राचार्य डॉ एसपी कोरी द्वारा अवगत कराया गया कि इस स्टेंडर्डस राइटिंग कॉम्पीटीषन में सभी प्रतिभागी छात्र-छात्राओं को प्रमाण पत्र एवं विजेताओं को कुल राषि 2500/- प्रमाण पत्र सहित प्रदान की गई। प्रतियोगिता में प्रथम स्थान पर जैनब फातिमा एवं बुषरा खान, द्वितीय स्थान पर हिमांषी इन्द्रवाल एवं सौरभ विष्वकर्मा, तृतीय स्थान पर बबीता लोधी एवं आजाद पुरी तथा चतुर्थ स्थान पर सुजल यादव एवं जयंत शर्मा रहें। कार्यक्रम में संस्था के सभी षिक्षक एवं विद्यार्थीयों की उपस्थिति रही।

# नर्मदापुरम में फसलों को आग से बचाने निकाला आदेश

### खेत में सुबह 10 से 6 बजे तक भुसा मशीन चलाने पर रोक

नर्मदापुरम , (निप्र)। नर्मदापुरम जिले में रबी सीजन की गेहूं-चने फसल की कटाई का कार्य शुरू होने वाला है। कटाई के दौरान होने वाली आगजनी की घटनाओं को रोकने प्रशासन ने आदेश निकाला है। गेहूं-चने के खेतों में भुसा मशीन चलाने पर प्रतिबंध लगाया गया है। सुबह 10 से शाम 6 बजे तक भुसा मशीन के चलाने पर रोक लगाई है। कलेक्टर सोनिया मीना ने अग्नि दुर्घटना रोकने के लिए आदेश जारी किए है। जारी आदेश में स्पष्ट किया गया है कि भूसा मशीन का उपयोग सुबह 10 बजे से शाम 6 बजे तक प्रतिबंधित रहेगा। समस्त हार्वेस्टर संचालकों से कहा गया है कि वे किसी भी पुलिस थाने में अपना पंजीयन मय नाम, पता, मोबाइल नंबर के साथ कराने के बाद ही जिले में किसानों के खेतों में फसल कटाई कराए। फसलों की कटाई में उपयोग किए जाने वाले कम्बाईन हार्वेस्टर के साथ स्ट्रा मैनेजमेंट सिस्टम एवं स्ट्रारीपर का उपयोग अनिवार्य रूप से करें। फसल कटाई के दौरान हार्वेस्टर संचालक कम से कम दो अग्निशमन यंत्र चालू अवस्था में रखे। इसके बिना फसल कटाई/भूषा मशीन का उपयोग करना निषेध है। इसके अलावा रात्रि में हार्वेस्टर द्वारा फसल कटाई व भूसा मशीन का उपयोग करने से पूर्व संबंधित ग्राम पंचायत के सरपंच एवं सचिव अथवा कोटवार को पूर्व सूचना देकर ही करें। उक्त आदेश का उल्लंघन करने पर संबंधित के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी।

## 86 निराश्रित गौवंश को संरक्षण व आश्रय हेतु गौशाला में स्थानांतरित किया

हरदा (निप्र)। जिला प्रशासन द्वारा विकासखण्ड हरदा के ग्रामों में घुम रहे 86 निराश्रित गौवंश को विकासखण्ड खिरकिया के श्री गुप्तेश्वर गौशाला समिति हरिपुरा चारूवा में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया। उपसंचालक पशु चिकित्सा सेवाएं हरदा डॉ. एस. के. त्रिपाठी ने बताया कि कलेक्टर श्री आदित्य सिंह के निर्देश पर निराश्रित गौवंश को संरक्षण एवं आश्रय प्रदान करने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत कोलीपुरा, रिजगांव, देवास, हीरापुर, भादूगांव, में घूम रहे निराश्रित गौवंश को श्री गुप्तेश्वर गौशाला समिति हरिपुरा चारूवा में सुरक्षित स्थानांतरित किया गया है, इनमें 62 गाय, 16 बछिया, 8 बछड़े शामिल है। डॉ. त्रिपाठी ने बताया कि गौशाला में पहुँचाने के पश्चात विभाग के पशु चिकित्सकों द्वारा गौवंश का स्वास्थ्य परीक्षण कर आवश्यक उपचार दिया गया। गौशाला द्वारा उनके खानपान, आहार व पेयजल आदि की व्यवस्था की गई। जिन पशुओं में टेग लगे थे, उनकी पहचान स्थापित की गई तथा जिन पशुओं में टेग नहीं थे, उनमें टेगिंग की कार्यवाही की गई। इस कार्य में राजस्व विभाग, पंचायत विभाग व पुलिस विभाग सहित आम लोगों का सक्रिय योगदान रहा।

## हरदा पुलिस ने हत्या के आरोपियों को किया गिरफ्तार

हरदा (निप्र)।ग्राम सोनतलाई में 25 फरवरी को मृतक सोहनलाल पिता हरचन्द जाट उम्र 46 साल निवासी ग्राम सोनतलाई का शव उसके खेत पर मिला।पुलिस अधीक्षक श्री अभिनव चौकसे के निर्देश पर थाना प्रभारी हंडिया द्वारा प्रकरण में अपराध क्रमांक 40/24 धारा 302, 201, 34 भादवि का पंजीबद्ध कर विवेचना में लिया गया।विवेचना के दौरान 26 फरवरी को मुखबिर सूचना तंत्र मजबूत कर सूचना प्राप्त होने पर टीम गठित कर ग्राम संदलपुर से ग्राम बैड़ी थाना खातेगांव जिला देवास निवासी आरोपीगण नरेन्द्र गौड़ पिता देवसिंह नर्रे उम्र 33 साल व तरूण पिता इश्वर नर्रे उम्र 19 साल को गिरफ्तार कर एक देशी पिस्टल, 2 जिंदा कारतूस, 1 खाली कारतूस व एक मोटर साइकिल जप्त की गई।

दैनिक
# सद्भावना पाती

इंदौर पाती

...प्राणियों में सद्भावना हो...



## नहीं खत्म हो रही हुकमचंद मिल के मजदूरों की परेशानियां

**इंदौर।** हुकमचंद मिल के हजारों मजदूरों की परेशानी खत्म होने का नाम नहीं ले रही। कोर्ट के स्पष्ट आदेश के बावजूद उन्हें अपने बकाया भुगतान के लिए भटकना पड़ रहा है। कोर्ट ने तीन दिन पहले हुई सुनवाई में स्पष्ट आदेश दिया था कि जिन मजदूरों को वर्ष 2017 में भुगतान किया गया था और जो वर्तमान में जीवित हैं उन्हें तुरंत भुगतान किया जाए, बावजूद इसके बुधवार को किसी मजदूर को भुगतान नहीं किया गया। मजदूर नेता नरेंद्र श्रीवंश ने बताया कि मजदूरों की ओर से कमेटी में शामिल किशनलाल बोकरे बुधवार को दिनभर समिति कार्यालय में बैठे रहे, लेकिन समिति के अन्य सदस्य नहीं आए। इसके चलते किसी मजदूर का भुगतान नहीं हुआ। मजदूर नेताओं का कहना है कि अगर उन्हें जल्द से जल्द रकम मिल जाएगी तो वे इसे अन्यत्र लगाकर अपना भविष्य सुरक्षित कर लेंगे।तीन दिन पहले हुई मामले की सुनवाई में कोर्ट ने स्वयं यह सवाल उठाया था कि वर्ष 2017 में मजदूरों को भुगतान हो चुका है। मजदूरों से संबंधित दस्तावेज परिसमापक के कार्यालय में वर्ष 2007 से उपलब्ध हैं तो फिर इस बार मजदूरों के भुगतान में क्या दिक्कत आ रही है। मजदूर नेता श्रीवंश के मुताबिक मिल के 5895 मजदूरों को भुगतान होना है। फिलहाल इनमें से सिर्फ 1400 के लगभग मजदूरों के बैंक खाते में पैसा पहुंचा है। कोर्ट के आदेश के बावजूद भुगतान नहीं मिलने से मजदूरों में निराशा है।

कई मजदूर मिल बंद होने के बाद अन्य शहरों में चले गए थे। पैसा मिलने की उम्मीद के चलते वे शहर में लौट आए हैं और अपने रिश्तेदारों के यहां ठहरे हुए हैं। मुआवजे का पैसा नहीं मिलने से ऐसे मजदूरों के सामने संकट खड़ा हो गया है। वे समझ नहीं पा रहे कि लौट जाएं या इंतजार करें।

## 10 बिल्डिंगें विश्वविद्यालय के लिए बनाएगा आईडीए

**इंदौर।** प्राधिकरण द्वारा विभिन्न सरकारी विभागों के लिए जॉब वर्क भी शुरू किए गए हैं, जिसके बदले उसे 3 से लेकर 5 फीसदी तक सुपर विजन चार्ज मिलता है। अभी नेशनल हाईवे के लिए प्राधिकरण बायपास पर दोनों तरफ रैलिंग लगवा रहा है, तो वहीं देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने भी अपनी 10 बिल्डिंगों को बनाने का जिम्मा प्राधिकरण को सौंपा है। 150 करोड़ रुपए की लागत से ये बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स विश्वविद्यालय की खंडवा रोड स्थित लगभग 5 लाख स्क्वेयर फीट जमीन के अलावा आरएनटी मार्ग में भी निर्मित होगी और इसके बदले 3 फीसदी सुपर विजन चार्ज प्राधिकरण को मिलेगा। इस आशय का बोर्ड प्रस्ताव पूर्व में मंजूर भी किया जा चुका है। वहीं अभी कल प्राधिकरण बोर्ड की ताबड़तोड़ बैठक जो बुलाई गई थी वह ऐन वक्त पर निरस्त कर दी गई। इसके पीछे वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग होना बताया गया। हालांकि बोर्ड मीटिंग के लिए कलेक्टर सहित अन्य अधिकारी प्राधिकरण दफ्तर पहुंच गए थे। मगर बाद में संभागायुक्त ने बोर्ड मीटिंग निरस्त कर अब उसे 6 मार्च को आयोजित करने की बात कही है। दूसरी तरफ प्राधिकरण को विश्वविद्यालय के लिए बिल्डिंगें बनाने का काम भी मिला है, जिसमें 150 करोड़ रुपए की राशि खर्च की जा रही है। प्राधिकरण के प्रभारी सीईओ गौरव बेनल ने बताया कि इस संबंध में अगली बोर्ड बैठक में इन प्रस्तावों को अंतिम रूप दिया जाना है। शैक्षणिक, आवासीय और अन्य गतिविधियों के लिए विश्वविद्यालय ये बिल्डिंग कॉम्प्लेक्स तैयार करवा रहा है।

## डिंडोरी वाहन दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता -मुख्यमंत्री डॉ. यादव

**इंदौर।** मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने डिंडोरी में हुई वाहन दुर्घटना में 14 व्यक्तियों के असामयिक निधन पर गहन शोक व्यक्त किया है। उन्होंने ईश्वर से दिवंगत आत्माओं की शांति व परिजनों को इस वज्रपात को सहन करने की शक्ति प्रदान करने की प्रार्थना की है। मुख्यमंत्री यादव ने कहा कि दुर्घटना में मृतकों के परिजनों को 4-4 लाख रुपये और घायलों को एक-एक लाख रुपये की आर्थिक सहायता प्रदान की जायेगी। जिला प्रशासन को घायलों के समुचित उपचार के निर्देश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी मंत्री श्रीमती संपतिया उइके को घायलों के उपचार और सभी आवश्यक व्यवस्थाओं के लिए डिंडोरी भेजा गया हैं। घटना की उच्चस्तरीय जांच की जाकर समुचित कार्रवाई की जाएगी।

## आज 40 बूथों पर होगा मतदान

**इन्दौर।** अभिभाषक संघ के आज चुनाव होने जा रहे हैं। इसमें मतदान के लिए जिला कोर्ट में करीब 40 बूथ बनाए जा रहे हैं। आज सुबह दस बजे से शाम 5 बजे तक मतदान होगा और उसके तत्काल बाद मतगणना शुरू होकर रात तक परिणाम घोषित कर दिए जाएंगे। इस चुनाव में कुल 4495 मतदाता हैं। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनोज द्विवेदी एवं सहायक निर्वाचन अधिकारी राजेश खंडेलवाल ने बताया कि लगभग सवा सौ साथियों की टीम निर्वाचन प्रक्रिया संपन्न कराने के लिए तैनात रहेगी। पारदर्शिता के लिए मतगणना की पूरी वीडियो रिकॉर्डिंग की जाएगी। रात करीब 11 बजे तक परिणाम घोषित होने की उम्मीद है। सुरक्षा के प्रबंध भी रहेंगे। संघ के पूर्व पदाधिकारी प्रदीप होलकर ने अधिकाधिक मतदान की अपील की है। मतदान के एक दिन पूर्व सभी प्रत्याशी अपने-अपने पक्ष में मतदान करने के लिए मतदाताओं तक पहुंच रहे हैं और विजय बनाने की अपील कर रहे हैं। सोशल मीडिया के माध्यम से भी वोट देने की अपील की जा रही है। अध्यक्ष पद पर कुल 5 प्रत्याशी भाग्य आजमा रहे हैं। इनमे 12 बार जीत चुके सुरेंद्र कुमार वर्मा पुन-इसी पद के लिए खड़े हुए हैं। 13वीं बार भी वे जीत के प्रति आश्वस्त हैं। उनके अलावा गोपाल कचोलिया, सुनील चौधरी, मुकेश पी. जैन और ओ. पी. तिवारी चुनाव लड़ रहे हैं। उपाध्यक्ष पद हेतु भी 5 उम्मीदवार हैं, जिनमे श्रीराम भदौरिया, मुकेश सैनी, दिनेश हर्डिया, किशोर गुप्ता एवं सुषमा शर्मा शामिल हैं। सचिव पद हेतु तीन उम्मीदवार अमित पाठक, कपिल बिरथरे और विशाल रामटेके हैं। सहसचिव पद के लिए सात प्रत्याशी अक्षय वाजपेयी, रत्नेश पाल, जयदीप सिंह गौड़, राजकुमार कौशल, रायसिंह परिहार, विजय व्यास और संदीप यादव मैदान में हैं। कोषाध्यक्ष पद के लिए पुरुषोत्तम सोमानी और मुकेश सिंह तोमर के बीच सीधी टक्कर है।

## एक ही मंच पर होगा कलाकारों और रचनाकारों का अनूठा समागम

इंदौर -÷प्रतिभा का मोल तब तक नहीं है, जब तक उसे पहचान न मिले..÷ कई लोग प्रतिभा के धनी होते हैं, लेकिन अक्सर अवसरों की कमी के चलते खुद को पीछे पाते हैं। इसे गहनता से पहचानता है डिफर , जो रचनात्मक लोगों के लिए एक साथ आने, उनके विचार साझा करने और बेहतर नौकरी के अवसरों की तलाश करने के लिए एक विशेष ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है। शहर की प्रतिभाओं को नई पहचान दिलाने के उद्देश्य से इस मंच ने दो दिवसीय कार्यक्रम %कलाकॉर्नर% की घोषणा की है, जिसका आयोजन जीएसआईएमआर कॉलेज, होटल मैरियट के पास, विजय नगर, इंदौर में 16 और 17 मार्च, 2024 को किया जाएगा।कलाकॉर्नर% कार्यक्रम के बारे में विस्तार से बताते हुए, डिफर के फाउंडर, पुलकित जैन ने कहा, कलाकॉर्नर के साथ हमारा उद्देश्य प्रतिभाओं को एक ऐसा प्लेटफॉर्म प्रदान करना है, जहाँ वे स्वतंत्र रूप से और खुलकर अपने विचारों को रख सकें, अनुभवी प्रोफेशनल्स से नॉलेज ले सकें और उनसे कंसल्ट कर सकें। इसके माध्यम से हम ब्रांड जागरूकता बढ़ाने और इंदौर की प्रतिभाओं के लिए एक मजबूत नेटवर्किंग इकोसिस्टम स्थापित करने की इच्छा रखते हैं।÷उन्होंने आगे कहा, ÷समाज में जागरूकता को बढ़ावा देते हुए, कलाकॉर्नर शहर की प्रतिभा को नई पहचान दिलाने के लिए तैयार है। यह सभी क्षेत्रों के कलाकारों और रचनाकारों को एक मंच पर लाने का माध्यम बनेगा।÷ 2000 से अधिक प्रतिभागियों के शामिल की उम्मीद के साथ, कलाकॉर्नर कार्यक्रम में पहले दिन जानी-मानी हस्ती भारतीय फिल्म, टेलीविज़न व थिएटर अभिनेता और निर्देशक राजेंद्र गुप्ता के नेतृत्व में %एक्टिंग शाला% नामक एक्टिंग वर्कशॉप का आयोजन किया जाएगा। वहीं, दूसरे दिन, बहुमुखी और हास्य प्रतिभा के धनी शिवांकित सिंह परिहार एक रचनात्मक चर्चा मंच %चर्चा कॉर्नर% के माध्यम से प्रतिभागियों को मंत्रमुग्ध करेंगे। इसके बाद डिफर गाला नाइट में दर्शक विविध प्रतिभाओं की एक अविस्मरणीय शाम का अनुभव कर सकेंगे, जिसमें बैंड परफॉर्मेंस आकर्षण का केंद्र होगा। इसके साथ ही, डिफर ओपन स्टेज भी दर्शकों को अपना बनाने में कोई कसर नहीं छोड़ेगा, जहाँ वे म्यूजिक, कॉमेडी, मिमिक्री, डांस और कविता आदि का लुफ्त उठा सकते हैं। इंदौर के सर्वश्रेष्ठ संगीतकारों और मंत्रमुग्ध कर देने वाले बाँसुरी वादकों से लेकर खूबसूरत डांसर्स और भावपूर्ण गायकों तक, यह लाइनअप दर्शकों को आकर्षित करने का वादा करता है। इस कार्यक्रम का उद्देश्य नेटवर्किंग और ब्रांड एक्सपोज़र के लिए एक मंच प्रदान करते हुए, स्थानीय प्रतिभा को बढ़ावा देना है। इस कार्यक्रम को इस प्रकार डिज़ाइन किया गया है कि यह अभिनेताओं, मॉडल्स, फोटोग्राफर्स, वीडियो एडिटर्स, फोटोग्राफर्स, कॉन्टेंट वरिटेरस, ग्राफिक डिजाइनर्स और अन्य सहित विविध दर्शकों की जरूरतों को पूरा कर सके, जो इंडस्ट्री के विभिन्न पहलुओं का पता लगाने और उनसे जुड़ने के लिए उत्सुक हैं। ऐसे में, यह आगामी कार्यक्रम थिएटर से लेकर सिनेमा तक, कविता से लेकर संगीत तक और उससे भी कहीं अधिक रचनात्मकता के विभिन्न रूपों को शामिल करते हुए, शहर के हुनरबाजों को व्यापक अनुभव प्रदान करने का वादा करता है। डिफर क्रिएटिव प्रोफेशनल्स के लिए ऑल-इन-वन प्लेटफॉर्म है, जो कम्युनिटी, अवसर और नेटवर्किंग को बढ़ावा देता है। यह एक विशेष ऑनलाइन प्लेटफॉर्म है, जो प्रतिभाओं को एक साथ आने, विचार साझा करने और अच्छी नौकरी के अवसरों की खोज करने के अवसर प्रदान करता है। यह प्लेटफॉर्म प्रतिभाशाली लोगों के लिए शानदार नौकरी की पेशकश करता है और कंपनियों को पूरे देश की श्रेष्ठ प्रतिभाओं से जोड़ता है।

## युवाओं को नशा मुक्त करने की पहल

**इंदौर।** शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को नशा मुक्त बनाने की पहल की जा रही है। इसके लिए शहर के अलग-अलग क्षेत्र में नशा मुक्ति शिविर लगाए जा रहे हैं। इसमें युवाओं को नशे की लत से दूर रहने की समझाइश दी जा रही है। मध्य प्रदेश सरकार और इंडेक्स समूह की शहर और ग्रामीण क्षेत्रों को नशा मुक्त करने की पहल के अंतर्गत विभिन्न शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। इसके अंतर्गत खण्डेल ग्राम सभा जिला, इंदौर के ग्राम पंचायत भवन में शिविर का आयोजन किया गया। शिविर आयोजन नशा रोग एवं मनोरोग विशेषज्ञ डॉ. रामगुलाम राजदान ने कहा कि इस क्षेत्र में इंडेक्स मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर का नशा मुक्ति अभियान एक सार्थक पहल है। नशे के खिलाफ यह मुहिम मददगार साबित होगी। खासतौर पर युवा वर्ग को नशे से होने वाले नुकसान के प्रति जागरूक करने की कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने कहा नशा मुक्ति को लेकर सरकार और विभिन्न संगठनों द्वारा कई योजनाएँ चलाई जा रही हैं। नशे की लत में बर्बाद होते युवाओं को जागरूक करना सबसे जरूरी है। कई क्षेत्रों में नशीले पदार्थों का सेवन एक गंभीर समस्या बनता जा रहा है। खासतौर पर ब्राउन शुगर के सेवन की वजह से युवा के साथ हर उम्र के लोग इसके कारण आर्थिक और शारीरिक परेशानियों से जूझ रहे हैं। खण्डेल ग्राम में सरपंच श्रीमती अनमोल की सहायता से कैंप का आयोजन किया गया। शिविर में 168 से अधिक मरीज ऐसे थे, जो किसी न किसी प्रकार के नशे का सेवन कर रहे थे। इनमें से कई मरीजों को नशीले पदार्थों की लत थी, जिनमें से 7 मरीजों को नशा मुक्ति केंद्र में भर्ती होने की सलाह दी गई। इंडेक्स समूह के चेयरमैन सुरेश सिंह भदौरिया, वाइस चेयरमैन मयंक राज सिंह भदौरिया, डायरेक्टर आर एस राणावत, एडिशनल डायरेक्टर आर सी यादव, डीन डॉ. जीएस पटेल और अधीक्षक डॉ. स्वाति प्रशांत ने इस पहल की सराहना की।

## आयुक्त ने इंदौर को रेबीज फ्री सीटी बनाने के संबंध में दिये निर्देश

### डॉग बाइट रोकने के लिये नागरिकों को करेंगे जागरूक और चलाएंगे जागरूकता अभियान

इंदौर। आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा इंदौर को रेबीज फ्री सीटी बनाने के क्रम में रेबिज सीटी टास्क फोर्स की सीटी बस ऑफिस मे समीक्षा बैठक ली गई। बैठक में अपर आयुक्त श्री मनोज पाठक, मुख्य स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. बीएस सैत्या, स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. अमित मालाकार, डॉ. अखिलेश उपाध्याय, डॉ. उत्तम यादव, डॉ अंशुल मिश्रा, महामारी विशेषज्ञ सहयोगी संस्था पाथ के प्रतिनिधि व अन्य विभागीय अधिकारी उपस्थित थे।

आयुक्त श्रीमती हर्षिका सिंह द्वारा स्वास्थ्य विभाग के माध्यम से प्रस्तुत प्रेजेंटेशन में शहर के चिन्हित स्थानों पर हो रही अधिक डॉग बाईट को नियंत्रित करने के लिये निगम स्वास्थ्य अधिकारियों को ऐसे स्थानों की विजिट कर, डॉग बाइट के हॉटस्पॉट क्षेत्र में नागरिकों को जागरूक करने के साथ ही नगरीय क्षेत्र में वर्कशॉप का आयोजन करने के निर्देश दिये गये। शहर को रेबिज फ्री सीटी बनाने के लिये शहर वासियों को डॉग बाईट होने के उपरांत आवश्यक बचाव व उपचार के संबंध में वर्कशॉप का आयोजन करने के साथ ही उक्त वर्कशॉप में विस्तार से जानकारी देने के लिये आवश्यक दिशा निर्देश दिये गये। इसके साथ ही आयुक्त द्वारा शहर में सहयोगी संस्थान पाथ व अन्य संस्थानों के माध्यम से डॉग बाइट हेतु जागरूकता अभियान चलाने, शहर के ऐसे स्थान जहां पर ज्यादा डॉग बाईट की शिकायत प्राप्त हो रही है, ऐसे स्थान पर निगम द्वारा अभियान चलाकर आवश्यकतानुसार वेक्सीनेशन करने के संबंध में भी निर्देश दिये गये।

आयुक्त श्रीमती सिंह ने बताया कि संपूर्ण प्रदेश में इंदौर के अलावा भोपाल, ग्वालियर, जबलपुर, रतलाम में रेबिज फ्री सीटी हेतु अभियान चलाया जा रहा है, उक्त अभियान का उद्देश्य नागरिकों की सुरक्षा के साथ ही पशु सुरक्षा है। बैठक में स्वास्थ्य विभाग द्वारा प्रेजेंटेशन के माध्यम से बताया गया कि भारत में रिपोर्ट किए गए रेबीज के मामलों और मौतों में से लगभग 30-60 प्रतिशत है, लोगों में रेबीज की रोकथाम के लिए श्वान का टीकाकरण सबसे किफायती रणनीति है।

## बस्ती हटाने पहुंची टीम पर महिलाओं ने फेंके पत्थर

**इंदौर।** टॉवर चौराहे के पास प्रोफेसर कॉलोनी के एक प्लॉट से कब्जा हटाने गए अमले पर कब्जाधारियों ने पत्थर फेंके और चक्का जाम किया। बेदखली का आदेश जारी करने के बाद एसडीओ के नेतृत्व में टीम कार्रवाई करने पहुंची थी। वहां से काफिला प्रोफेसर कॉलोनी पहुंचा, जहां डॉ. आरपी शर्मा के 2400 वर्गफीट के प्लॉट पर चार परिवारों ने कब्जा कर रखा था।बस्ती खाली करने के निर्देश देने पर कुछ महिलाओं ने बवाल खड़ा कर दिया। अफसरों से कहा कि हम वर्षों से यहां रह रहे हैं। हमें हटाकर सरकार ज्यादती कर रही है। धनगर ने कहा कि आपने प्लॉट पर कब्जा किया है। नोटिस देकर आपको सुनवाई का अवसर दिया गया था। झोपड़ियां हटाने के निर्देश देने पर कुछ महिलाओं ने अमले पर पत्थर फेंकना शुरू दिया। महिला पुलिस बल ने उन्हें रोका तो कब्जाधारियों ने टॉवर से भंवरकुआं की ओर आने वाले मार्ग पर चक्काजाम कर दिया। हालांकि पुलिस ने दूसरी तरफ के रोड से ट्रैफिक शुरू कर दिया था। पुलिस ने विरोध करने वालों को समझाया कि अब हरकत की तो कार्रवाई के साथ मुकदमा भी दर्ज होगा। काफी देर तक बवाल चलता रहा, लेकिन निगम की रिमूवल गैंग ने प्लॉट खाली कराकर कब्जा डॉ. शर्मा को सौंप दिया। बेशकीमती प्लॉट पर कब्जे

टॉवर चौराहे से लगी प्रोफेसर कॉलोनी में जमीन की कीमतें आसमान छू रही हैं। लोगों ने जीवन भर की पूंजी लगाकर प्लॉट खरीदे थे, लेकिन कुछ लोगों ने उन पर कब्जे कर लिए। इन्हें खाली कराने के लिए प्लॉट धारी लंबे समय से संघर्ष कर रहे हैं। करीब एक दर्जन प्लॉट पर कब्जा कर बस्तियां बसा ली गई हैं।

कई बार की शिकायतें

मालूम हो, निजी जमीन पर कब्जा करने को लेकर प्लॉट धारक डॉ. शर्मा ने कई बार जिला प्रशासन, नगर निगम व पुलिस से शिकायत की थी। सालभर पहले सीएम हेल्पलाइन पर भी पीड़ा दर्ज कराई। इसके चलते जूनी इंदौर तहसील में अवैध कब्जे का मुकदमा बनाकर केस दर्ज किया गया। कब्जाधारियों से दस्तावेज मांगने के साथ सुनवाई का मौका दिया गया, लेकिन वे कोई कागजात पेश नहीं कर पाए। शिकायत के बाद कब्जाधारियों को तीन-चार बार नोटिस दिए गए थे। बुधवार को निजी जमीन पर अवैध रूप से बसे चार कब्जाधारियों को हटाया गया।

-घनश्याम धनगर, एसडीओ, जूनी इंदौर

## देश में विकास की अवधारणा को बदलने की जरूरत - डॉ. टावरी

### दान पर न पले गाय और विकेंद्रीकरण हो ग्राम का विकास

**इंदौर।** इस वक्त सरकार कहीं अटक सी गई है। हमें उस जामवंत को जगाना होगा जो हमें अपना बल याद दिलाए। गौशालाओं की दुर्दशाओं पर बात तो सभी करते हैं पर उनके सुधार गायों के संरक्षण और संवर्धन की विस्तृत योजना कभी नहीं बनी। हमें तय करना होगा कि हमारी गौमाता दान पर न पले और विकास का विकेंद्रीकरण हो ताकि ग्राम समृद्ध बन सकें। यह बात पूर्व आईएएस डॉ. कमल टावरी ने कही। देशभर में गमछा और खादी वाले पूर्व आईएएस डॉ. टावरी अब भाई कमलानंद गिरि के नाम से पहचाने जाते हैं। गुरुवार को इंदौर प्रवास के दौरान वे इंदौर प्रेस क्लब के चाय पर चर्चा कार्यक्रम में शामिल हुए। मीडिया से चर्चा करते हुए उन्होंने कहा कि गौशालाओं को लाभ से जोडने की आज सर्वाधिक आवश्यकता है। देसी गायों के संरक्षण और संवर्धन के साथ पंचगव्य औषधि की अच्छी मार्केटिंग गौशालाओं को समृद्ध बना सकती है। उन्होंने जोर देते हुए कहा कि वर्तमान दौर में एक अ-सरकारी और असरकारी अभियान की जरूरत है। सरकारों का मुंह ताकने के बजाय पंचगव्य के जरिए गांवों में रोजगार के अवसर पैदा हों। इसका चिंतन करना जरूरी है। इस मौके पर जर्मनी से आई समग्र विकास प्रबंधन विशेषज्ञ इरमल मारला भी विशेष रूप से मौजूद थी।

फ्री की प्रवृत्ति देश को धकेल रही पीछे

डॉ. टावरी ने कहा कि रोजगार मूलक विकास नहीं होने के कारण एक असमंजस का वातावरण बन गया है। सरकार ने भी फ्री की प्रवृत्ति समाज में पैदा कर दी। यह प्रवृत्ति देश को पीछे धकेल रही है। जबकि आवश्यकता ग्राम विकास, स्वावलंबन और रोजगार मूलक विकास की है। जिन सपनों को लेकर आजादी से पहले से अब तक आंदोलन हुए उस अवधारणा को समग्र समाज में फैलाने की आवश्यकता है। संविधान निर्माण तथा बाद में हुए संशोधन के साथ सरकार ने गांवों को 29 विशेष अधिकार प्रदान किए। इन अधिकारों पर ग्राम पंचायतों का ध्यान नहीं है। इन्हीं अधिकारों के माध्यम से गांवों को समृद्धि से जोड़ा जा सकता है।

**डॉ. टावरी का परिचय**

डॉ. टावरी इंडियन आर्मी का हिस्सा भी रहे हैं। सेना में कैप्टन के पद पर रहते हुए ही वे 1968 में उत्तर प्रदेश कैडर के आईएएस बने। प्रदेश में विभिन्न पदों पर सेवा देने के बाद वे केंद्र में कपार्ट, खादी कमीशन, नॉर्थ ईस्ट के निदेशक, योजना आयोग संभालने के साथ ही भारत सरकार के सचिव पद से सेवानिवृत्त हुए।

## अपसाइकल प्लास्टिक बनाकर देगी इंदौर की कंपनी

**इंदौर ।** कचरे को कंचन में तब्दील करने वाले इंदौर शहर के उद्यमी अब इस व्यवसाय को बड़े पैमाने पर ले जाने की तैयारी में जुटे हैं। इंदौर की इन्वायरो रिसाइक्लीन प्रालि कंपनी पीथमपुर के सेक्टर 7 के 40 एकड़ में प्लांट लगाकर अपसाइकल प्लास्टिक तैयार करेगी। इस प्लांट में रिसाइकल कर तैयार होने वाले प्लास्टिक को इंदौर की कंपनी अंतरराष्ट्रीय कंपनियों के बड़े ब्रांड को उपलब्ध करवाएगी। ये ब्रांड इस प्लास्टिक का उपयोग कर अपने उत्पाद तैयार करेंगे।अभी ये ब्रांड वर्जिन प्लास्टिक (पहली बार उपयोग वाला प्लास्टिक) का इस्तेमाल करते हैं। उज्जैन में एक व दो मार्च होने वाले क्षेत्रीय औद्योगिक सम्मेलन में कंपनी को मप्र औद्योगिक विकास निगम द्वारा जमीन का आवंटन किया जाएगा। इंदौर की यह कंपनी फिलहाल सांवेर के धरमपुरी में चॉकलेट रैपर व चिप्स के पैकेट के मल्टी लेयर प्लास्टिक से प्लास्टिक टेबल-कुर्सी, वेस्टबिन, टाइल्स व प्लास्टिक बोतल से टी-शर्ट जैसे उत्पाद तैयार करती है। अब कंपनी बड़े ब्रांड के लिए 'बोतल टू बोतल' या 'प्रोडक्ट टू प्रोडक्ट' तैयार करेगी। इसे तैयार करने के लिए इंदौर की कंपनी विदेशी कंपनियों की मशीनरी का सेटअप भी लगाएगी।

### तीन लाख टन प्लास्टिक कचरा कर रहे खत्म

इन्वायरो रिसाइक्लीन प्रालि के संचालक पुनीत जैन के मुताबिक वर्तमान में हमारी कंपनी उज्जैन, धार, भोपाल, दक्षिण व उत्तर भारत के अन्य शहरों से प्लास्टिक इंदौर लाकर उसे रिसाइकल कर उत्पाद तैयार कर रही है। सालभर में हम करीब तीन लाख टन प्लास्टिक के कचरे को खत्म कर रहे हैं। पीथमपुर में प्लांट लगाने के बाद वर्ष 2026 तक इससे उत्पादन शुरू होगा। ऐसे में हम इससे ज्यादा मात्रा में प्लास्टिक को रिसाइकल कर सकेंगे। हम इंदौर में एशिया का सबसे बड़ा रिसाइकल प्लांट को माडल के रूप में तैयार करेंगे।

### प्रोडक्ट टू प्रोडक्ट सिस्टम

वर्तमान में कई बड़ी कंपनियां अपने उत्पादों के लिए कंटेनर व बोतल के निर्माण के लिए वर्जिन प्लास्टिक का उपयोग करती है। इस सिस्टम में कंपनी अपने ग्राहकों से उपयोग के बाद प्लास्टिक की बोतल, पेंट के डिब्बे जैसे कंटेनर को लेकर रिसाइकल करने वाली कंपनी को देगी। यह कंपनी सर्कुलर हाईग्रेड रिसाइकल तकनीक का उपयोग करेगी। इसमें उपयोग हो चुके उत्पाद की धुलाई, सफाई, मिक्सिंग के साथ डि आर्डराइजर के माध्यम से उसमें आने वाली गंध को भी खत्म किया जाएगा। इस तरह उस प्लास्टिक को अपसाइकल कर प्लास्टिक का अपसाइकल दाने तैयार होने से कोई भी बड़ी कंपनी पुन-वैसा ही उत्पाद तैयार कर सकेगी।

समाचार पत्र के स्वामित्व एवं अन्य विषयों से संबंधित विवरण

**घोषणा**

**फार्म-4**

| | |
|---|---|
| 1. प्रकाशक स्थल | 773/19 मेघदूत नगर इंदौर (म.प्र.) |
| 2. प्रकाशक अवधि | दैनिक |
| 3. मुद्रक का नाम | देवेन्द्र मालवीय |
| क्या भारत का नागरिक है | हाँ |
| पता | 773/19 मेघदूत नगर इंदौर (म.प्र.) |
| 4. प्रकाशक का नाम | देवेन्द्र मालवीय |
| क्या भारत का नागरिक है | हाँ |
| पता | 773/19 मेघदूत नगर इंदौर (म.प्र.) |
| 5. संपादक का नाम | डॉ. देवेन्द्र मालवीय |
| क्या भारत का नागरिक है | हाँ |
| पता | 773/19 मेघदूत नगर इंदौर (म.प्र.) |
| 6. उन व्यक्तियों के नाम व पते जो समाचार पत्र के स्वामी हों तथा जो समस्त पूंजी के एक प्रतिशत से अधिक से साझेदार या हिस्सेदारी हों | देवेन्द्र मालवीय |

मैं देवेन्द्र मालवीय एतद् द्वारा घोषित करता हूँ मेरी अधिकतम जानकारी एवं विश्वास के अनुसार ऊपर दिए गए विवरण सत्य हैं।

1 मार्च 2024

हस्ताक्षर
देवेन्द्र मालवीय
(प्रकाशक के हस्ताक्षर)

# संपादकीय | सवालों के घेरे में दलबदल कानून की प्रासंगिकता

राज्यसभा के ताजा चुनाव में, खासकर उत्तर प्रदेश और हिमाचल प्रदेश में, जिस तरह विधायकों के दल की सीमा लांघ कर मतदान करने की खबरें आईं, उससे एक बार फिर राजनेताओं की दलगत निष्ठा और दलबदल कानून की प्रासंगिकता पर सवाल गहरे हुए हैं। हालांकि इससे विपक्षी गठबंधन के भविष्य को लेकर भी अटकलबाजियों को बल मिला है।

बताया जा रहा है कि उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी के कुछ विधायकों ने भाजपा के प्रत्याशी को मतदान किया, तो कुछ उसके समर्थन में मतदान से अनुपस्थित रहे। हिमाचल प्रदेश में भी कांग्रेस के कुछ विधायकों के भाजपा प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करने के दावे किए जा रहे हैं। दोनों जगह विधायकों के इस तरह दगा करने के पीछे मुख्य वजह पार्टी आलाकमान से नाराजगी बताई जा रही है।

उत्तर प्रदेश में तो समाजवादी पार्टी प्रमुख के सबसे भरोसेमंद और पार्टी के मुख्य सचेतक ही बाड़बंदी तोड़ कर भाजपा के पाले में चले गए। कुछ दिनों पहले ही उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस ने मिल कर लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला किया है। मगर राज्यसभा चुनाव में इस तरह सपा विधायकों के मतभेद उभरने और एक तरह से खुल्लमखुल्ला बगावत से लोकसभा चुनाव में पार्टी पर पड़ने वाले प्रतिकूल प्रभावों के आकलन गलत नहीं कहे जा सकते।

हिमाचल प्रदेश विधानसभा में कांग्रेस की स्थिति मजबूत है, भाजपा और उसकी सीटों का अंतर भी काफी है, इसलिए वहां कोई खतरा नहीं माना जा रहा था। मगर हकीकत यह भी है कि वहां शक्ति के कई केंद्र बन चुके हैं। मगर उत्तर प्रदेश में विधायकों का असंतोष किसी पद को लेकर नहीं, बल्कि पार्टी अध्यक्ष के व्यवहार से उपजा अधिक जान पड़ता है।

जैसा कि कुछ विधायकों ने जाहिर भी किया कि सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव का रुक्ष व्यवहार उन्हें खटकता है। उनके सबसे करीबी माने जाने वाले और पार्टी के मुख्य सचेतक ने पत्र लिख कर राज्यसभा चुनाव में अपनी जिम्मेदारी से मुक्ति की प्रार्थना की थी। बताया जा रहा है कि वे भाजपा में शामिल होने वाले हैं। राजनीतिक दलों के संचालन में मुखिया का व्यवहार बहुत मायने रखता है। अगर अखिलेश यादव अपने नेताओं और साथी संगठनों को साथ लेकर चल पाने में असमर्थ साबित हो रहे हैं, तो यह उनकी पार्टी के लिए अच्छा संकेत नहीं माना जा सकता।

हालांकि राज्यसभा चुनाव में दलीय बाडबंदी को धता बताते हुए दूसरे दल के प्रत्याशी के पक्ष में मतदान करना कोई नई बात नहीं है। कई विधायक दूसरे दल के प्रत्याशी को इसलिए भी मतदान कर देते हैं कि उससे उनके अच्छे संबंध होते हैं। हिमाचल प्रदेश में यह गणित भी काम आया। मगर इस तरह राजनेताओं की निष्ठा तो प्रश्नांकित होती ही है।

न केवल पार्टी के प्रति, बल्कि उन मतदाताओं के प्रति भी, जिनके मतदान से उन्होंने विजय हासिल की है। इसी प्रवृत्ति पर रोक लगाने के मकसद से दलबदल कानून बना था, मगर उसकी काट अक्सर निकाल ली जाती है। महाराष्ट्र और गोवा इसके सबसे बड़े उदाहरण हैं, जहां दूसरी पार्टी से चुनाव जीत कर आए विधायक उन्हीं दलों से हाथ मिला कर सरकार में शामिल हो गए, जिसके खिलाफ चुनाव लड़े थे। ऐसे मामलों में न तो पार्टियां कुछ कर पाती हैं और न चुनाव आयोग कोई ठोस रास्ता निकाल पाता है। इसलिए दलबदल कानून को नए सिरे से प्रभावशाली बनाने की अपेक्षा स्वाभाविक है।

## सोशल मीडिया से...

तमिलनाडु और देश की जनता को एक सत्य बताना जरूरी है। सत्य कड़वा होता है, लेकिन मैं सीधा आरोप यूपीए सरकार पर लगाना चाहता हूं। जो परियोजनाएं मैं आज यहां लेकर आया हूं वह दशकों से यहां के लोगों की मांग थी। आज जो लोग यहां सत्ता में बैठे हैं वे तब दिल्ली में बैठे थे, सरकार और यह विभाग चलाते थे, लेकिन उन्हें आपके विकास की फिक्र नहीं थी।

**नरेंद्र मोदी,** प्रधानमंत्री

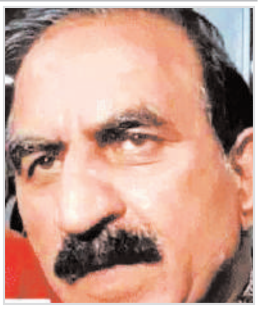

मैं घबराने वाला व्यक्ति नहीं हूं। मैं बजट के लिए जो वोटिंग होगी उसमें हमारी जीत होगी। इस्तीफे की अफवाह भाजपा फैला रही है। वे सोच रहे होंगे कि इससे कांग्रेस में भगदड़ मच जाएगी लेकिन कांग्रेस पार्टी एकजुट है, जो छोटी-मोटी शिकायतें हैं वह भी दूर हो जाएंगी।

**सुखविंदर सिंह सुक्खू,** सीएम हिप्र

मैं अपने सभी नेताओं को बताना चाहूंगी कि एक साथ काम करो। जो लोग टीएमसी में मेरे साथ हैं, वे विश्वास करें नहीं तो घर चले जाओ या किसी और दल में शामिल हो जाओ। मुझे कोई समस्या नहीं है। आप टीएमसी में रहते हुए लोगों को वंचित नहीं कर सकते।

**ममता बनर्जी,** सीएम प. बंगाल

25 विधायकों वाली पार्टी यदि 43 विधायकों के बहुमत को चुनौती दे रही है, तो इसका मतलब साफ है कि वो प्रतिनिधियों के खरीद-फरोख्त पर निर्भर है। इनका यह रवैया अनैतिक और असंवैधानिक है। हिमाचल और देश की जनता सब देख रही है।

**प्रियंका गांधी वाड्रा,** कांग्रेस महासचिव

## आज का कार्टून

# शुरू होते ही क्यों फंस गया जेमिनी एआई...!

सोशल मीडिया पर जेमिनी एआई द्वारा रची गई इमेजों के साथ प्रतिकूल टिप्पणियां आने लगीं कि यह रेसिस्ट (नस्लवादी) है। इन तस्वीरों में से एक में एक अश्वेत महिला को संयुक्त राज्य अमेरिका की संस्थापक बताया था, वहीं एक और इमेज में नाजी युग के जर्मन सैनिकों के रूप में अश्वेतों व एशियाई लोगों को दर्शाया। एक यूजर की टिप्पणी थी कि जेमिनी रचित चित्र यह आभास देते हैं कि शायद पृथ्वी पर गोरे लोगों का अस्तित्व ही नहीं है। जब जेमिनी के इस रवैये की ज्यादा आलोचना हुई तो गूगल ने अपनी इमेज जेनरेशन सर्विस को अस्थायी तौर पर निलम्बित कर दिया। लेकिन, तुरंत ही उसे अहसास हो गया कि समस्या जड़ों में है, पत्तों में नहीं। दरअसल, इस तरह की अविवेकपूर्ण प्रतिक्रियाएं जेमिनी चित्र सृजन में ही नहीं दे रहा था, बल्कि यूजर्स द्वारा दिए गए प्रॉम्प्ट के जवाब में भी उसके वक्तव्य बहुत आपत्तिजनक पाए गए। एक यूजर ने उससे पूछा कि एलन मस्क के ट्वीट किए गए मीम्स का समाज पर ज्यादा नकारात्मक असर पड़ा है या लाखों लोगों को मारने का आदेश देने वाले हिटलर का तो जेमिनी का जवाब था कि यकीन से कह पाना मुश्किल है कि समाज पर किसका ज्यादा बुरा असर पड़ा है।

**संदीप अग्रवाल**

टेक्नोलॉजी की दुनिया से बीते कुछ दिनों से बेहद चौंकाने वाली खबरें आ रही हैं। बायजू, पेटीएम की गहमागहमी अभी शांत भी नहीं हुई है कि गूगल का एआई प्रोग्राम जेमिनी भी दुश्वारियों के भंवर में फँस गया है।

जेमिनी जो तीन सप्ताह पहले तक बार्ड के नाम से जाना जाता था, पिछले साल क्रमबद्ध तरीके से मार्च-मई के दौरान लॉन्च किया गया था। वह चैटजीपीटी के सबसे मजबूत प्रतिद्वंद्वी के रूप में सामने आया। गूगल जैसे शक्तिशाली सर्च इंजन के पॉवर बैकअप के साथ रीयल टाइम नतीजे देने में सक्षम बार्ड (अब जेमिनी) देखते ही देखते एआई यूजर्स में काफी लोकप्रिय होता चला गया।

230 से ज्यादा देशों में 40 भाषाओं में उपलब्ध बार्ड के लॉन्च के समय डेढ़ करोड़ यूजर थे। डिमांड सेज की एक रिपोर्ट का दावा है कि 2023 के अंत तक यह संख्या लगभग एक अरब हो चुकी थी। जेमिनी (बार्ड), जो खुद चैटजीपीटी के प्रतिद्वंद्वी के रूप में लॉन्च किया गया था, इतना ताकतवर हो चुका है कि अब जब भी कोई बड़ा एआई प्लेटफॉर्म, जैसे क्यूएक्सलैब या कृत्रिम, लॉन्च होता है तो उसकी तुलना चैटजीपीटी से नहीं, बल्कि जेमिनी से की जाती है।

अब सवाल यह उठता है कि इतनी सारी खूबियों के बावजूद चूक आखिर कहाँ हुई, जो जेमिनी को इतने बुरे वक्त का सामना करना पड़ रहा है हाल यह है कि जेमिनी की पैरेंट कंपनी अल्फाबेट की मार्केट वैल्यू में 90 अरब डॉलर की गिरावट आ गई और गूगल के सीईओ सुंदर पिचाई को निकाले जाने या इस्तीफे की अटकलें लगाई जा रही हैं। इसकी वजह, जेनरेटिव एआई की लगातार बढ़ती ताकत, निरंकुश क्षमताओं और उस श्रेष्ठता दंभ में निहित हैं, जिसकी चेतावनी सामाजिक चिंतक और तकनीक विशेषज्ञ शुरू से ही देते आ रहे हैं और एआई कंपनियों को आगाह करने में लगे हैं कि एआई को अभी इतना ताकतवर न बनाएं। लेकिन, प्रतिस्पर्द्धा में बढ़त बनाए रखने की चाहत में ये कंपनियाँ ऐसे सुझावों को हमेशा अनसुना ही करती आई हैं।

जेमिनी की मुश्किलें शुरू हुईं उसके इमेज जेनरेटर टूल की वजह से, जिसे उसने बहुत उत्साह के साथ इस उम्मीद में लॉन्च किया था कि यह उसे जेनरेटिव एआई प्लेटफॉर्मों में सबसे आगे कर देगा। लेकिन, गूगल का दांव उल्टा पड़ गया। शुरूआत में तो सब कुछ ठीक चला, लेकिन बाद में इसने यूजर को खिझाना शुरू कर दिया।

सोशल मीडिया पर जेमिनी एआई द्वारा रची गई इमेजों के साथ प्रतिकूल टिप्पणियाँ आने लगीं कि यह रेसिस्ट (नस्लवादी) है। इन तस्वीरों में से एक में एक अश्वेत महिला को संयुक्त राज्य अमेरिका की संस्थापक बताया था, वहीं एक और इमेज में नाजी युग के जर्मन सैनिकों के रूप में अश्वेतों व एशियाई लोगों को दर्शाया। एक यूजर की टिप्पणी थी कि जेमिनी रचित चित्र यह आभास देते हैं कि शायद पृथ्वी पर गोरे लोगों का अस्तित्व ही नहीं है।

जब जेमिनी के इस रवैये की ज्यादा आलोचना हुई तो गूगल ने अपनी इमेज जेनरेशन सर्विस को अस्थायी तौर पर निलम्बित कर दिया। लेकिन, तुरंत ही उसे अहसास हो गया कि समस्या जड़ों में है, पत्तों में नहीं।

दरअसल, इस तरह की अविवेकपूर्ण प्रतिक्रियाएं जेमिनी चित्र सृजन में ही नहीं दे रहा था, बल्कि यूजर्स द्वारा दिए गए प्रॉम्प्ट के जवाब में भी उसके वक्तव्य बहुत

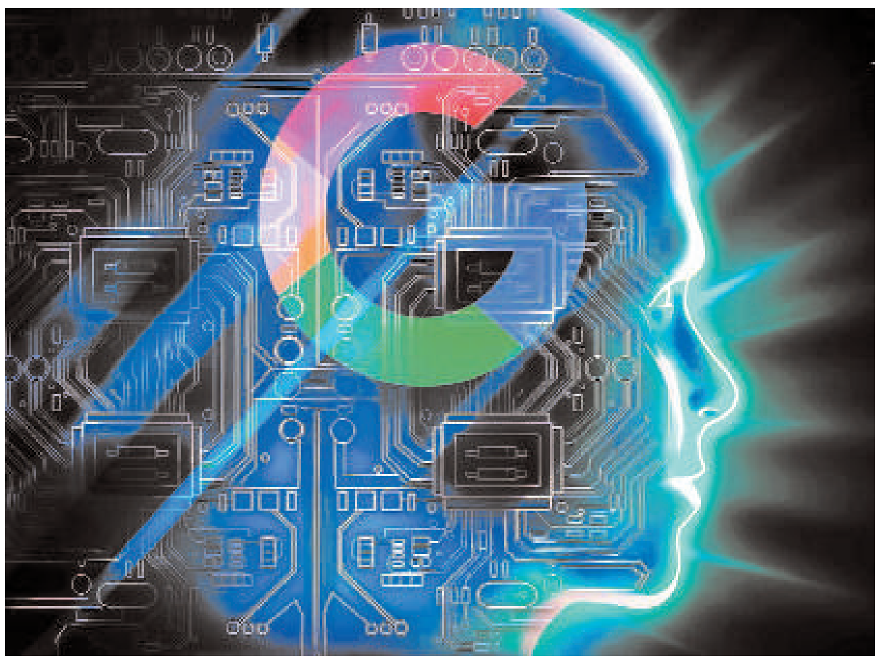

आपत्तजिनक पाए गए। एक यूजर ने उससे पूछा कि एलन मस्क के ट्वीट किए गए मीम्स का समाज पर ज्यादा नकारात्मक असर पड़ा है या लाखों लोगों को मारने का आदेश देने वाले हिटलर का तो जेमिनी का जवाब था कि यकीन से कह पाना मुश्किल है कि समाज पर किसका ज्यादा बुरा असर पड़ा है।

जेमिनी की इन मूर्खताओं ने भारत को भी नहीं बख्शा। क्या प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी को फासीवादी माना जा सकता है, एक पत्रकार द्वारा यह सवाल पूछे जाने पर जेमिनी का जवाब यह था कि उन पर कुछ ऐसी नीतियाँ लागू करने का आरोप है, जिन्हें विशेषज्ञ फासीवादी मानते हैं। लेकिन, जब यही सवाल पूर्व अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प, यूक्रेनी राष्ट्रपति झेलेनस्की के बारे में पूछा गया तो उसने स्पष्ट जवाब देने से इंकार कर दिया।

ये और इनके जैसे दूसरे तमाम उदाहरण, सबसे ज्यादा जिस चीज की ओर संकेत करते हैं, वह यह है कि इस तरह के लार्ज लैंग्वेज लर्निंग मॉडल, सीखने के लिए ट्रेनिंग डाटा के रूप में जिन स्रोतों का इस्तेमाल कर रहे हैं, वे न तो तथ्यात्मक दृष्टि से सम्पूर्ण है और न ही संवेदनशील सूचनाओं को लेकर सजग। अधिकतर, एलएलएम को इस तरह से डिजाइन किया गया है कि वे आपको उत्तर जरूर दें। चाहें वह उत्तर गलत, अधूरा या आपत्तिजनक या घातक ही क्यों न हो। इसके लिए वे सूचनाओं के ढेर में संबंधित सूचनाएं तो उठा लेते हैं, लेकिन नीर-क्षीर का भेद करने वाली सामर्थ्य उनमें नहीं हैं। वैश्विक विविधता को लेकर इनकी समझ आधी-अधूरी है। और अधूरा ज्ञान, अज्ञान से ज्यादा घातक होता है, यह कहावत इन एलएलएम पर भी लागू होती है।

चैटजीपीटी और जेमिनी के बाद लगातार इस तरह के कई और एआई प्लेटफॉर्म आए हैं, जिनका धड़ल्ले से और बड़े पैमाने पर इस्तेमाल किया जा रहा है। लेकिन, हाल की घटनाएं, इस गति को थोड़ा धीमे किए जाने की जरूरत पर जोर देती हैं। आनन-फानन में प्लेटफॉर्म को लॉन्च कर देने की बजाए, इससे पहले डेवलपर कंपनियों को कुछ बातों का बहुत ज्यादा ध्यान रखना होगा, जो जेमिनी जैसे उन्नत लार्ज लैंग्वेज मॉडलों की प्रतिक्रियाओं में खामियों की वजह बनती हैं।

इनमें सबसे पहली तो प्रशिक्षण डाटा में पूर्वाग्रहयुक्त डाटा का घालमेल ही है। चूंकि बड़े भाषा मॉडल को टेक्स्ट और कोड के विशाल डेटासेट पर प्रशिक्षित किया जाता है, इसलिए उनके उस डाटा के भीतर मौजूद पूर्वाग्रहों (बायस) को प्राप्त कर लेने की आशंका बनी रहती है। ये पूर्वाग्रह अलग-अलग तरीकों से स्फुटित होकर मॉडल की प्रतिक्रियाओं को प्रभावित कर सकते हैं और संभावित रूप से गलत या आक्रामक आउटपुट दे सकते हैं। इसके अलावा, उन्नत से उन्नत एलएलएम को शक्ति प्रदान करने वाले एल्गोरिदम अभी भी विकास की प्रक्रिया में हैं और किसी भी सूचना के संदर्भों, इरादों और बारीकियों को समझने को लेकर उनकी कुछ सीमाएं हो सकती हैं। इससे कभी-कभी प्रॉम्प्ट की गलत व्याख्या हो सकती है या ऐसे रिस्पॉन्स उत्पन्न हो सकते हैं जो दी गई स्थिति के लिए तथ्यात्मक रूप से गलत या अनुपयुक्त हैं।

तीसरा बिंदु यह है कि एलएलएम को अक्सर ऐसे ओपन-एंडेड प्रॉम्प्ट्स या प्रश्नों को संभालने का जिम्मा सौंपा जाता है, जिनमें स्पष्ट संदर्भ या विशिष्ट निर्देशों का अभाव होता है। यह अस्पष्टता मॉडल को ऐसी प्रतिक्रियाएँ उत्पन्न करने के लिए प्रेरित कर सकती है जो उपयोगकर्ता को भ्रामक या अप्रासंगिक लग सकती हैं।

इस तरह की समस्या से बचने के लिए डेवलपरों को अपनी आलोचनाओं और खामियों को स्वीकार करने और उन्हें दूर करने को लेकर ज्यादा खुलापन अपनाना चाहिए। मॉडल को प्रशिक्षित करने के लिए उपयोग किए जाने वाले अंतर्निहित डाटा में संभावित पूर्वाग्रहों को तुरंत पहचानना और फिल्टर करना, एल्गोरिदम को परिष्कृत कर आक्रामक या भ्रामक सामग्री उत्पन्न करने के जोखिम को कम करना, सिर्फ डाटा पर निर्भर न रहते हुए, ऐसे मानव विशेषज्ञों की सेवाएं लेना जिन्हें वैश्विक विविधताओं और स्थानीय संवेदनशीलताओं की समझ हो... ऐसे कुछ उपाय इस मामले में काफी मददगार साबित हो सकते हैं। और, यह काम सिर्फ एलएलएम की ट्रेनिंग या डेवलपमेंट तक ही सीमित नहीं रहना चाहिए, बल्कि इसे सतत जारी रखे जाना भी इतना ही जरूरी है।

# निजी और सार्वजनिक जीवन को संतुलित बनाने की जरूरत

क्या वाकई हम सभी लोग सारा सच सोशल मीडिया पर व्यक्त कर सकते हैं? क्या सोशल मीडिया अभिव्यक्ति के सामाजिक होने की खानापूर्ति नहीं बनती जा रही है? ये प्रश्न हमारी सामाजिकता के प्रति एक अलग सोच को अभिव्यक्त करते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि क्या यही हमारा कर्तव्य है समाज के लिए कि किसी घटना पर सोशल मीडिया पर विचार प्रकट किए जाएं और बस काम हो गया! माना जा सकता है कि आज के दौर में इसका महत्त्व है, लेकिन हमें खुद समाज के बीच उतरकर प्रयास का अमृत बरसाना होगा। निजता को हावी नहीं होने देने को कहा जाता है, वहीं अपने व्यक्तिगत जीवन की उपादेयता को भी सर्वोपरि रखना चाहिए।

**रितुप्रिया शर्मा**

मनुष्य होने के नाते हम सभी यह जानते हैं कि सामाजिकता हमारा मूल स्वभाव है और इसी के नाते हमारी यह कोशिश रहती है कि हम समाज के सभी अंगों से जुड़े रहें। इस आवश्यकता की पूर्ति के लिए हम कई तरह के प्रयास करते हैं। हम न केवल अपने आस-पड़ोस और रिश्तेदारों से संबंधों को मजबूत बनाते हैं, बल्कि दूसरे लोगों से भी जुड़ने का प्रयास करते हैं।

यह बहुत स्वाभाविक है कि हमारे इस सामाजिक जीवन में हमें कई तरह की कठिनाइयों से भी गुजरना पड़ता है। इसके बावजूद हम अपने सामाजिक संबंधों को बनाए रखते हैं। सुख और दुख जीवन के दो पहलुओं का नाम है, क्योंकि ये सदा ही साथ चलते आए हैं। मानव-जीवन ही सुख-दुख की छाया है।

एक सामाजिक प्राणी और मनुष्य होने के कारण हमारा परम कर्तव्य है कि हम एक-दूसरे के सुख-दुख को समझें। प्रश्न यह उठता है कि व्यक्तिगत रूप से हमारा एक-दूसरे के प्रति कैसा भाव है? अगर हम अपने हृदय में वसुधैव कुटुंबकम का भाव रखते हैं तो हम भाईचारे की पक्की नींव रख सकते हैं। मनुष्य से संबंध अत्यंत अटूट है, लेकिन इतना होना पर्याप्त नहीं है, क्योंकि आज का युग नितांत व्यक्तिगत हो

गया है। वैयक्तिकता किस सीमा तक हो? जीवन पूरी तरह सार्वजनिक नहीं जिया जा सकता है। इसलिए निजता और सामाजिकता के बीच का उचित तालमेल स्थापित करना ही होगा। आज हमारा सामाजिक दायरा सोशल मीडिया द्वारा निर्धारित हो रहा है। यही यह तय करता है कि किसी क्षेत्र में हम कितने सफल हैं, कितने सामाजिक हैं और क्या कर रहे हैं।

क्या वाकई हम सभी लोग सारा सच सोशल मीडिया पर व्यक्त कर सकते हैं? क्या सोशल मीडिया अभिव्यक्ति के सामाजिक होने की खानापूर्ति नहीं बनती जा रही है? ये प्रश्न हमारी सामाजिकता के प्रति एक अलग सोच को अभिव्यक्त करते हैं। सबसे जरूरी बात यह है कि क्या यही हमारा कर्तव्य है समाज के लिए कि किसी घटना पर सोशल मीडिया पर विचार प्रकट किए जाएं और बस काम हो गया!

माना जा सकता है कि आज के दौर में इसका महत्त्व है, लेकिन हमें खुद समाज के बीच उतरकर प्रयास का अमृत बरसाना होगा। निजता को हावी नहीं होने देने को कहा जाता है, वहीं अपने व्यक्तिगत जीवन की उपादेयता को भी सर्वोपरि रखना चाहिए। हमें संतुलन की ओर बढ़ना होगा, वरना संतुलन का अभाव हमें कहीं का नहीं छोड़ेगा। जिस तरह से हम मोबाइल और लैपटाप को अपने निजी जीवन में एक जरूरी आवश्यकता के तौर पर ले रहे हैं, उसमें वह दिन दूर नहीं है, जब हम पूरी तरह इन पर ही निर्भर हो जाएंगे।

कोई भी सोशल मीडिया मंच कभी भी मूल कार्यक्रम और सेवाओं की जगह नहीं ले सकता। इसके लिए तो समाज में जाकर, लोगों के बीच उनके सुख-दुख में सहयोग देकर, सहायता और उत्साह भर कर ही हम सामाजिक-सार्वजनिक जीवन की उपादेयता सिद्ध कर सकते हैं। सोशल मीडिया मंच पर विचार प्रकट करना कोई बुरी बात नहीं है। इससे भी लोगों में जागरूकता आती है, लेकिन ज्यादातर वक्त पर ये सब चीजें लोगों के वक्त गुजारने का एक तरीका मात्र है। कई बार तो इनका इतना नकारात्मक प्रभाव होता है कि लोग अपनी मूल विचारधारा को ही भूल जाते हैं।

सोशल मीडिया मंचों पर कई बार ऐसे मुद्दों पर बात की जाती है, जो समाज की एकता के लिए बहुत ही खतरनाक साबित हो सकते हैं। हम एक लोकतांत्रिक देश में रहते हैं, जिसमें सभी लोग समान हैं, लेकिन कई बार इन मंचों के जरिए अफवाहें उड़ाई जाती हैं, जिसके घातक नतीजे सामने आते हैं। प्रामाणिक खबरों पर विश्वास करना चाहिए, वरना अव्यवस्था फैल जाएगी।

आज भी अखबारों का महत्त्व कम नहीं हुआ है। समाचारों की अहमियत तब होती है, जब वे प्रामाणिक हों और इसके लिए लोग इन्हें विश्वसनीय मानते हैं। जबकि सोशल मीडिया से सबसे ज्यादा हमारी युवा पीढ़ी प्रभावित हो रही है। उनका ज्यादातर वक्त पढ़ाई-लिखाई और काम करने के बजाय इन्हीं चीजों में गुजर रहा है। कई बार तो बच्चे इनमें उलझकर अपने जीवन को भी बर्बादी की ओर ले जाते हैं।

किसी चीज को जान-समझ कर अपनाने में कोई बुराई नहीं है। मगर इन मंचों में लीन युवा आज सामाजिक तो दूर, वे अपने परिवार से भी दूर होते चले जा रहे हैं। घरवाले अगर कोई काम करने को कहते हैं, उनका मानना होता है कि उनका वक्त बर्बाद हो रहा है और सोशल मीडिया मंचों पर कितना वक्त बेकार चला जाता है, उन्हें पता भी नहीं चलता। मनोरंजन, गेम और बातचीत के नाम पर अपने परिवार को ही दरकिनार कर दिया जाता है। ऐसे में निजी और सार्वजनिक जीवन को संतुलित बनाने की जरूरत है।

इससे इतर कई युवा दंपतियों का गृहस्थ-जीवन सोशल मीडिया ने बर्बाद कर दिया है। एक-दूसरे के प्रति शक और सामंजस्य की कमी को बढ़ाया है। बुजुर्ग मां-पिता के प्रति अपना ध्यान केंद्रित करने के बजाय लोग अपने महंगे स्मार्टफोन पर अधिक ध्यान देते हैं। सामाजिक कर्तव्य के नाम पर कोई टिप्पणी लिख देना फैशन है।

लोग नहीं समझ पा रहे है कि इसका कोई रचनात्मक पहलू निकाला जाए और समाज को कुछ अच्छा दिया जाए। सोशल मीडिया मंचों पर जाने में बुराई नहीं है, मगर इसका मतलब यह नहीं है कि इनकी वजह से हम अपना सामाजिक और व्यक्तिगत जीवन और उसका स्वरूप बिगाड़ लें। दोनों चीजों से संतुलन बनाए रखना हमारी आवश्यकता है।

## संक्षिप्त समाचार

### डीएवीवी के दीक्षांत समारोह के लिए राष्ट्रपति से नहीं मिल रहा समय

#### लोकसभा चुनाव के बाद ही समारोह आयोजित किया जाएगा

**इंदौर।** दीक्षा समारोह को लेकर देवी अहिल्या विश्वविद्यालय ने तैयारियां शुरू नहीं की हैं। बतौर मुख्य अतिथि राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु को बुलाया जाना है, लेकिन उनके कार्यालय से समारोह के संबंध में समय नहीं मिल रहा है। इस वजह से विश्वविद्यालय ने समारोह की तारीख तय नहीं की है। अब लोकसभा चुनाव के बाद ही समारोह आयोजित किया जाएगा। वैसे भी मेरिट विद्यार्थियों और शोधार्थियों की सूची बनाई जाना है। यह काम में भी महीने भर का समय लगेगा। राष्ट्रपति को समारोह में बुलाए जाने के लिए विश्वविद्यालय प्रशासन नवंबर से संपर्क कर रहा है। पहले दिसंबर में समारोह में आने के लिए तारीख और समय बताया गया। मगर कुछ दिन बाद कार्यक्रम रद कर दिया, क्योंकि राष्ट्रपति के कुछ पूर्व निर्धारित कार्यक्रम थे। जनवरी से लेकर फरवरी के बीच विश्वविद्यालय ने तीन मर्तबा राष्ट्रपति कार्यालय को पत्र लिखकर तारीख बताने के बारे में कहा, लेकिन वहां से कोई जवाब नहीं मिला है। कुलपति डा. रेणु जैन भी राष्ट्रपति से भी मिल चुकी हैं। बावजूद इसके अभी तक समारोह की तारीख तय नहीं हो पाई है।

लोकसभा चुनाव को लेकर आचार संहिता अगले कुछ दिनों में लग सकती है। ऐसे में विश्वविद्यालय समारोह आयोजित नहीं कर पाएगा, क्योंकि कार्यक्रम में राजनीतिक हस्तियों को भी बुलाना होता है। चुनाव के चलते ये भी समारोह से दूरियां बनाएंगे। विश्वविद्यालय भी मतदान और मतगणना खत्म होने के बाद ही समारोह आयोजित करेगा। माना जा रहा है कि जून तक मेरिट विद्यार्थियों को पदक पाने के लिए इंतजार करना होगा। वैसे भी विद्यार्थियों की सूची नहीं बनाई है। यह काम शैक्षणिक विभाग को करना है। साथ ही पीएचडी पूरी कर चुके शोधार्थियों की भी लिस्ट बनाई जानी है।

### 6 मूल्यांकनकर्ताओं को नोटिस जारी किया , प्रतिदिन अधिकतम 45 कापियां जांचना होगी

माध्यमिक शिक्षा मंडल की बोर्ड परीक्षा के साथ ही कॉपियों का मूल्यांकन कार्य भी शुरू हो चुका है। पहले चरण में 90 हजार कॉपियां जांची जाना है, लेकिन मूल्यांकन कार्य काफी धीमी गति से चल रहा है। 22 फरवरी से शुरू हुए मूल्यांकन में अब तक सिर्फ 12 हजार कॉपियां ही चेक हो पाई है। इधर दूसरे चरण की कॉपियां भी मालव कन्या उमावि पहुंच चुकी है, हालांकि यह कॉपियां अन्य जिलों में जांच के लिए जाएगी। इधर मूल्यांकन के नहीं आ रहे 6 शिक्षकों को नोटिस भी जारी किया गया है। बता दें कि इस 800 से अधिक शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्यकर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया है। लेकिन अब तक सिर्फ 120 मूल्यांकनकर्ता ही कापियां चेक करने जा रहे है। मूल्यांकन प्रभारी बबीता हयारण ने बताया कि पिछले सात दिनों में 12 हजार कापियां जांची जा चुकी है। 6 मूल्यांकनकर्ताओं को नोटिस भी जारी किया है, जो कि मूल्यांकन के लिए नहीं आ रहे है। 5 मार्च तक बोर्ड परीक्षा खत्म हो जाएगी, जिसके बाद पूरी क्षमता के साथ कापियां चेक होना शुरू हो जाएगी। हमारी कोशिश है कि मार्च माह में मूल्यांकन कार्य पूरा कर लिया जाए। इस दौरान करीब 3 लाख कॉपियां चेक की जाएगी। परीक्षा के मूल्यांकन कार्य सुबह 10 से शाम 6 बजे तक होगा। हर एक मूल्यांकनकर्ता को प्रतिदिन अधिकतम 45 कापियां जांचना होगी। परीक्षाओं में लगे मूल्यांकनकर्ता 10 वीं बोर्ड परीक्षाएं समाप्त हो चुकी है। लेकिन 12वीं की बोर्ड परीक्षाओं के प्रश्न पत्र अभी बचे हुए है। जिन शिक्षकों ने मूल्यांकन कर्ता के रूप में रजिस्ट्रेशन कराया है, उनमें से अधिकांश परीक्षा केंद्रो पर परिवेक्षक भी बने हुए है। इसलिए बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के बाद मूल्यांकन कार्य में तेजी आएगी।

# अंबानी से ज्यादा मजबूत हुए अडानी, प्रभावशाली भारतीय में निकले आगे

**नईदिल्ली, एजेंसी।** गौतम अडानी ने टॉप 100 सबसे प्रभावशाली भारतीयों की लिस्ट में मुकेश अंबानी को पछाड़ दिया है। इंडियन एक्सप्रेस ने 29 फरवरी को 2024 के टॉप 100 सबसे प्रभावशाली भारतीयों की अपनी लिस्ट जारी की। इसमें देश को प्रभावित करने वाले राजनीतिक, व्यावसायिक, मनोरंजन और खेल क्षेत्रों की हस्तियों को शामिल किया गया है। इस लिस्ट में उद्योगपति गौतम अडानी ने टॉप 10 में जगह बनाई और अरबपति मुकेश अंबानी को एक स्थान से पछाड़ दिया। बता दें कि पिछले साल के मुकाबले अडानी ने इस साल 33 स्थान की छलांग लगाई है। इस लिस्ट में पहले स्थान पर प्रधान मंत्री नरेंद्र मोदी हैं और गृह मंत्री अमित शाह दूसरे स्थान पर हैं।

**इन कारोबारियों ने भी बनाई जगह-** इस लिस्ट में अजीम प्रेमजी 37वें स्थान पर हैं। वहीं, इन्फोसिस के संस्थापक नंदन नीलेकणि 95 वें स्थान पर हैं। 61 साल के गौतम अडानी ने रिलायंस इंडस्ट्रीज के मुकेश अंबानी को एक स्थान से पछाड़कर टॉप 100 की लिस्ट में टॉप 10 में जगह बनाई। इस लिस्ट में अडानी के टॉप 10 में रहने के कई कारण गिनाए गए हैं। इनमें सबसे अहम कारण अधिग्रहण और ग्रीनफील्ड परियोजनाओं के जरिए सीमेंट, बिजली, एयरपोर्ट्स, ग्रीन एनर्जी, बंदरगाह, बिजली और गैस डिस्ट्रिब्यूटर्स जैसे विभिन्न बुनियादी ढांचा क्षेत्रों में तेजी से प्रगति को बताया गया है। साथ ही यह भी कहा गया है कि हिंडनबर्ग रिसर्च रिपोर्ट के आरोपों से प्रभावित होने के बावजूद समूह ने जबरदस्त वापसी की है और स्टॉक ने अपने नुकसान की भरपाई कर ली है। इसके अलावा, संसद में विपक्ष द्वारा आरोप लगाए जाने के बाद अडानी खबरों में रहे हैं कि सत्तारूढ़ दल के साथ उनकी नजदीकी से उनके समूह को फायदा हुआ है। योजनाओं के संदर्भ में देखें तो अडानी का अलग अलग सेक्टर्स में 7 लाख करोड़ के निवेश का भी प्लान है।

बता दें कि ब्लूमबर्ग बिलियनेयर्स इंडेक्स (बीबीआई) के अनुसार, अडानी 101 बिलियन डॉलर की संपत्ति के साथ दूसरे सबसे अमीर भारतीय हैं। लिस्ट में आरआईएल के सीएमडी मुकेश अंबानी के नई ऊर्जा, पुनर्गठन और उत्तराधिकार योजना में निवेश के माध्यम से समूह को मजबूत करने के कदम को स्वीकार किया गया है, इसमें कहा गया है - इसमें जियो फाइनेंशियल सर्विसेज (जेएफएस) की लिस्टिंग शामिल है; और अंबानी के बच्चे आकाश (जियो के डिजिटल व्यवसाय के प्रमुख), ईशा (रिटेल शाखा रिलायंस रिटेल के प्रमुख) और अनंत (ऊर्जा व्यवसाय के प्रमुख) रिलायंस बोर्ड में स्थान ले रहे हैं। एआई के मामले में, आरआईएल भारतजीपीटी का भी समर्थन कर रही है और भारत के लिए अपना हनुमान एआई मॉडल लॉन्च करने के लिए तैयार है।

# 7 मार्च से खुल रहा एक और आईपीओ

**नईदिल्ली, एजेंसी।** पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग आईपीओ का प्राइस बैंड 78 से 83 के बीच तय किया गया है। प्रत्येक का फेस वैल्यू 10 है। पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग आईपीओ गुरुवार 7 मार्च को सब्सक्रिप्शन के लिए खुलेगा और मंगलवार 12 मार्च को बंद होगा। पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग आईपीओ लॉट साइज में 1,600 शेयर हैं। निवेशक न्यूनतम 1,600 शेयरों के लिए और उसके गुणकों में बोली लगा सकते हैं।

इन्वेस्टरगेन.कॉम के अनुसार, पुणे ई-स्टॉक ब्रोकिंग आईपीओ जीएमपी या ग्रे मार्केट प्रीमियम 70 है। इसका मतलब है कि शेयर ग्रे मार्केट में 153 के प्रीमियम पर कारोबार कर रहे हैं। यानी पहले ही दिन निवेशकों को 85 प्रतिशत तक का मुनाफा हो सकता है। बता दें कि पुणे ई-स्टॉक ब्रोकरेज लिमिटेड एक कॉर्पोरेट ब्रोकरेज कारोबार है, जैसा कि रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (आरएचपी) में बताया गया है। कंपनी के ग्राहकों में डायरेक्ट ग्राहक और रजिस्टर्ड व्यक्ति दोनों शामिल हैं, जो दस से अधिक शहरों में फैले हुए हैं।

# एक और भारतीय श्रीधर रामास्वामी को विदेशी टेक कंपनी की कमान, गूगल में भी कर चुके काम

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अमेरिका की चर्चित डेटा क्लाउड कंपनी स्नोफ्लेक की कमान अब भारतीय मूल के श्रीधर रामास्वामी के हाथों में होगी। कंपनी ने श्रीधर रामास्वामी को बतौर सीईओ नियुक्त किया है। इसी के साथ रामास्वामी टेक इंडस्ट्री के उन ग्लोबल लीडर्स की सूची में शामिल हो गए हैं, जो भारतीय मूल के हैं। ग्लोबल लीडर्स की सूची में त्रश्नश्द्दद्यद्ग के सुंदर पिचाई, माइक्रोसॉफ्ट के सत्या नडेला, आईबीएम के अरविंद कृष्णा और एडोब के शांतनु नारायण जैसे बड़े नाम हैं।

**किसकी जगह लेंगे रामास्वामी-** स्नोफ्लेक में रामास्वामी अपने सीनियर फ्रैंक स्लूटमैन का स्थान लेंगे। फ्रैंक स्लूटमैन ने चार साल से अधिक समय तक कंपनी में बतौर सीईओ काम किया। हालांकि, फ्रैंक चेयरमैन के पद पर बने रहेंगे।

**आईआईटी से पढ़ाई-** रामास्वामी ने 1989 में आईआईटी, मद्रास से कंप्यूटर विज्ञान में बीटेक की पढ़ाई पूरी की थी। इसके बाद ब्राउन यूनिवर्सिटी से पीएचडी की डिग्री ली। डेटा क्लाउड कंपनी स्नोफ्लेक के साथ रामास्वामी का कार्यकाल मई 2023 में शुरू हुआ। दरअसल, स्नोफ्लेक ने लीडिंग प्राइवेट आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस ऑपरेटेड सर्च इंजन नीवा का अधिग्रहण किया। साल 2019 में रामास्वामी ने अपने साथी विवेक रघुनाथन के साथ मिलकर नीवा की स्थापना की थी। इसके जरिए रामास्वामी का लक्ष्य विज्ञापन पर यूजर्स एक्सपीरियंस को प्राथमिकता देते हुए गूगल का एक विकल्प बनाना था। इस सर्च इंजन ने बाद में स्नोफ्लेक की आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस स्ट्रैटजी को संवारने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई।

**गूगल के लिए भी कर चुके काम-** रामास्वामी ने गूगल में भी कई प्रमुख पदों पर कार्य किया। यहां उन्होंने विज्ञापन व्यवसाय को .1.5 बिलियन से .100 बिलियन तक बढ़ाने में अहम भूमिका निभाई। रामास्वामी ने करियर में बेल लैब्स, ल्यूसेंट टेक्नोलॉजीज और बेल कम्युनिकेशंस रिसर्च (बेलकोर) में बतौर रिसर्चर भी काम किया है। इसके अलावा, उन्होंने ग्रेलॉक पार्टनर्स में वेंचर पार्टनर के रूप में कार्य किया। रामास्वामी वर्तमान में ब्राउन यूनिवर्सिटी में ट्रस्टी बोर्ड में शामिल हैं।

# SoftBank reduced stake Paytm to 2.83% from 5.01%

Japan's SoftBank Group has further reduced its stake in payments firm Paytm to w.}x% from z.®v%, an e&change filing showed on Thursday. The conglomerate, which held v|.z% stake in Paytm in September w®ww, has trimmed its ownership for more than a year through multiple open market deals, with its most recent cut being in January.

SoftBank on January wy announced that it had pared yet another w% stake in fintech major One ~| Communications, which runs the payments platform Paytm, to bring down its shareholding in the company to about z%.

The Japanese investor has been gradually reducing stake in Paytm as it reportedly has plans to e&it the company completely. While some global investors like Warren Buffett's Berkshire Hathaway and China's Alibaba Group e&ited the firm in w®wx, others, including a Netherlands-based unit of Chinese fintech firm Ant Financial cut their stake. SoftBank sold a majority of its stake in Paytm before regulatory scrutiny caused the fintech firmÓs shares to dive, Bloomberg reported earlier this month, citing the Vision FundÓs e&ecutive managing partner.

One ~| Communications Ltd, recently saw its founder Vijay Shekhar Sharma stepping down as part-time non-e&ecutive chairman and board member at associate entity Paytm Payments Bank Ltd (PPBL). The parent also withdrew all nominees from the payments bankÓs board.

The troubled PPBL, on which restrictions were imposed by the central bank due to compliance issues on January xv, has brought new faces to the table.

PPBLÓs reconstituted board now includes former Central Bank of India chairman Srinivasan Sridhar, retired IAS officers Debendranath Sarangi and Rajni Sekhri Sibal, as well as former e&ecutive director of Bank of Baroda Ashok Kumar Garg.

Shares of One ~| Communications fell z% to the day's low of Rs x}z.~® on Thursday, witnessing their third successive decline and losses e&tending to v®%.

# भारत के अरबपति 10 चीजों पर खर्च करते हैं सबसे ज्यादा रुपये

**नईदिल्ली, एजेंसी।** नाइट फ्रैंक ने 'द वेल्थ रिपोर्ट-2024' में बताया है कि देश के सबसे अमीर हाई नेटवर्थ वाले लोगों ने अपनी निवेश योग्य संपत्ति का 17 फीसदी पैसा लग्जरी चीजों को खरीदने में लगाया है। 3 करोड़ रुपये से ज्यादा की नेटवर्थ वाले लोग यूएचएनडब्ल्यूआई की कैटेगरी में आते हैं। आईए आपको बताते हैं देश के अरबपति किन चीजों पर सबसे ज्यादा खर्चा कर रहे हैं।

**लक्जरी घड़ियां-** देश के अरबपति लग्जरी घड़ियों को खरीदना पसंद करते हैं। रिपोर्ट में यह बात सामने आई है। इन लग्जरी घड़ियों की कीमत करोड़ों में होती हे। इन्हें खासतौर से अमीरों को ध्यान में रखकर ही बनाया जाता है।

**क्लासिक कारें-** अमीरों को क्लासिक कारों का भी काफी शौक है। देश के ज्यादातर अमीर लोग क्लासिक कार खरीदने के लिए खूब पैसा खर्च करते हैं। इन क्लासिक कारों को अमीर खरीदने के बाद अपने हिसाब से मॉडिफाई भी कराते हैं।

**लक्जरी हैंडबैग-** घड़ियों की तरह अरबपतियों को लग्जरी हैंडबैग खरीदना भी काफी पसंद है। इसमें भी खासतौर से महिलाएं लग्जरी हैंडबैग को खरीदना काफी पसंद करती हैं। इन लग्जरी हैंडबैग की कीमत भी लाखों से लेकर करोड़ों में होती है।

**हीरे-** रंगीन हीरे खरीदना भी अरबपतियों को खूब पसंद है। देश के अरबपति हीरे में खूब निवेश करते हैं। इन रंगीन हीरों की कीमत भी करोड़ों रुपयों में होती है।

**व्हिस्की-** दुर्लभ व्हीस्की की कीमत काफी ज्यादा होती है। अरबपतियों को इन दुर्लभ व्हीस्की को खरीदने का भी खूब शौक होता है। देश के सुपर रिच व्हीस्की में काफी पैसा खर्च करते हैं।

**ज्वैलरी-** देश के अमीर ज्वैलरी खरीदने में भी अपना खूब पैसा खर्च करते हैं। इस ज्वैलरी में अरबपति करोड़ों रुपये खर्च करते हैं। ज्वैलरी पर अमीरों का खर्च काफी बढ़ा है। इसके अलावा अरबपति आर्ट, फर्नीचर और सिक्कों पर भी खूब पैसा खर्च करते हैं।

# रिलायंस ने बढ़ाई टाटा, लैंडमार्क और शॉपर्स स्टॉप की चिंता

**नईदिल्ली, एजेंसी।** भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की कंपनी रिलायंस इंडस्ट्रीज वैल्यू रिटेल स्पेस में बड़ा धमाका करने की तैयारी में है। सूत्रों के मुताबिक कंपनी ब्रिटेन की दिग्गज फैशन रिटेलर प्राइमार्क को भारत लाने के लिए बातचीत कर रही है। 55 साल पुराना यह ब्रांड सस्ते कपड़ों और जूतों के लिए जाना जाता है और पिछले कुछ समय से भारत में एंट्री मारने का मौका खोज रहा है। इस ब्रांड का मालिकाना हक लंदन की लिस्टेड कंपनी एसोसिएट्स ब्रिटिश फूड्स के पास है और दुनियाभर में इसके 400 से अधिक स्टोर हैं। प्राइमार्क के भारत आने से टाटा के जूडियो, लैंडमार्क ग्रुप के मैक्स और शॉपर्स स्टॉप के इनट्यून को कड़ी टक्कर मिलने की उम्मीद है।

सूत्रों का कहना है कि प्राइमार्क और रिलायन्स के बीच साझेदारी एक संयुक्त उद्यम या लाइसेंसिंग समझौते के माध्यम से हो सकती है। मॉल पर फोकस करने वाले दूसरे वैश्विक खुदरा विक्रेताओं के विपरीत, प्राइमार्क के स्टोर मुख्य रूप से हाई स्ट्रीट पर स्थित होंगे क्योंकि उनका प्रारूप बड़ा है। कोविड-19 महामारी के प्रभाव के बावजूद, प्राइमार्क के रेवेन्यू में हाल के वर्षों में काफी बढ़ोतरी हुई है। इसकी वजह यह है कि इसकी औसत कीमत एच एंड एम और यूनिक्लो जैसे रिटेलर्स से भी कम हैं। प्राइमार्क के लिए सबसे बड़ी सोर्स कंट्री चीन है। भारत दूसरे नंबर पर है। भारत की कई छोटी-बड़ी कंपनियां इस कंपनी के लिए सप्लाई करती हैं।

### रिलायंस का कारोबार

प्राइमार्क की आपूर्ति श्रृंखला रणनीति में नियरशोरिंग शामिल है, जिससे वह भारतीय आपूर्तिकर्ताओं से सीधे स्थानीय खुदरा इकाइयों तक सामान पहुंचा सकते हैं। इससे कंपनी की लागत में कमी आएगी। रिलायंस देश की सबसे बड़ी रिटेल कंपनी है। उसके पास दुनिया के कई जाने-माने ब्रांड्स की पार्टनरशिप है। जानकारों का कहना है कि अपनी व्यापक रीच और रियल एस्टेट एसेट्स के साथ रिलायंस प्राइमार्क के लिए बेहतरीन चॉइस हो सकती है। हालांकि, भारतीय बाजार में प्राइमार्क की सफलता इस बात पर निर्भर करेगी कि वे भारतीय उपभोक्ताओं की जरूरतों से किस तरह जुड़ती है। किफायती फैशन सेगमेंट में, रिलायंस के पास पहले से ही ट्रेंड्स और यूस्टा जैसे ब्रांड हैं।

रिलायंस सुपरमार्केट, इलेक्ट्रॉनिक्स, जूलरी और परिधान सहित विभिन्न क्षेत्रों में 18,774 से अधिक स्टोर संचालित करता है। इस बारे में रिलायंस ने सवालों का जवाब नहीं दिया। प्राइमार्क के एक प्रवक्ता ने कंपनी दुनियाभर में अपना विस्तार कर रही है और किसी भी मौके लिए खुलकर बात करने को तैयार है। लेकिन हम बाजार की अटकलों पर टिप्पणी नहीं करते हैं। विशेषज्ञों का मानना है कि भारत का खपत बाजार पिछले कुछ वर्षों में काफी बदल गया है। ऐसे में अब वैल्यू ब्रांड्स के लिए बाजार बढ़ रहा है।

# देश में खूब बिक रहीं करोड़ों की कीमत वाली लग्जरी कारें, लैम्बोर्गिनी ने रचा इतिहास

**नईदिल्ली, एजेंसी।** वाहन पोर्टल पर उपलब्ध आंकड़ों के मुताबिक, लग्जरी कारों की बिक्री में सबसे ज्यादा इजाफा साल 2020 से साल 2024 के दौरान देखा गया है। इस दौरान इन लग्जरी कारों की डिमांड में अचानक तेजी देखने को मिली है। साल 2020 से अब तक लग्जरी कारों की सेल 30 प्रतिशत बढ़ चुकी है। आईए आपको बताते हैं कि देश में कौन सी लग्जरी कारों की डिमांड में सबसे ज्यादा उछाल आया है।

**बेंटले-** लग्जरी कारों के मामले में बेंटले की बिक्री पिछले 5 वर्षों में 13 फीसदी बढ़ी है। इस दौरान 139 बेंटले की बिक्री हुई है।

**वोल्वो-** पिछले 5 वर्षों में 10,819 वोल्वो बिकी हैं। इस दौरान वोल्वो की बिक्री में 23 फीसदी का इजाफा हुआ है। वोल्वो भी काफी डिमांड में है।

**मर्सिडीज-** देश में मर्सिडीज भी काफी डिमांड में है। साल 2020 से अभी तक मर्सिडीज की बिक्री में 29 फीसदी का उछाल आ चुका है। इन वर्षों में मर्सिडीज की 49,662 कारें बिकी हैं।

**जगुआर-** जगुआर भी लग्जरी कारों के सेगमेंट में बिक्री के मामले में चौथे नंबर पर है। जगुआर की बिक्री 30 फीसदी बढ़ी है। साल 2020 से अभी तक 10,473 जगुआर बिकी हैं।

**पोर्श-** पोर्श की बिक्री में भी इजाफा देखने को मिला है। आंकड़ों के मुताबिक, साल 2020 से अभी तक 2263 पोर्श बिकी हैं। इसकी बिक्री में 33 फीसदी का उछाल आया है।

**बीएमडब्ल्यू इंडिया-** बीएमडब्ल्यू इंडिया की बिक्री में 40 फीसदी का उछाल आया है। लैम्बोर्गिनी के बाद लग्जरी कारों में बिक्री के मामले में बीएमडब्ल्यू दूसरे नंबर पर है। साल 2020 से अभी तक 64,056 कारें बिकी हैं।

**लैम्बोर्गिनी-** लैम्बोर्गिनी की बिक्री में सबसे ज्यादा उछाल देखने को मिला है। साल 2020 से अभी तक 269 लैम्बोर्गिनी बिकी हैं। इसकी बिक्री में 52 फीसदी का उछाल देखा गया है। लग्जरी कारों की बिक्री में अभी लैम्बोर्गिनी सबसे आगे दिख रही है।

# खरगोश आसन करने से मेंटल हेल्थ होगी बेहतर, पाचन भी रहेगा दुरुस्त

**रैबिट पोज का अभ्यास करन से आपकी सेहत को काफी फायदा हो सकता है। इस आसन से आपकी मेंटल हेल्थ को फायदा मिलता है साथ ही पाचन भी दुरुस्त हो सकता है।**

योग हमारी सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होता है। योग करने से ना सिर्फ शरीर फुर्तीला होता है बल्कि इससे कई तरह की बीमारियां भी दूर होती है। आज हम आपको एक खास तरह के योगासन की जानकारी दे रहे हैं जिसका अभ्यास करने से आपका पाचन दुरुस्त रहेगा और मेंटल हेल्थ को फायदा पहुंचेगा। दरअसल आजकल काम के बोझ में अक्सर लोग इन दो समस्याओं से परेशान रहते हैं। इस आसन का नाम है खरगोश आसन इसे शशांक आसन के नाम से भी जाना जाता है। इस आसन को करते वक्त आपका शरीर खरगोश की तरह नजर आता है। आइए जानते हैं इस बारे में योगा एक्सपर्ट नुपूर रोहतगी से।

### कैसे करें खरगोश मुद्रा?

- इस आसन को करने के लिए मैट पर एड़ी के बल बैठ जाएं।
- सांस छोड़ते हुए हाथों को पीछे की ओर रखते हुए एड़ी को पकड़ें।
- अब कोर की मदद लेते हुए सिर बॉडी को आगे की ओर झुकाएं।
- सिर को घुटनों की ओर जमीन पर रखकर घुटनों पर इस तरह से मुद्रा धारण करें कि माथा घुटनों के आमने सामने हो
- हिप्स को ऊंचा उठाएं और इसी तरह से कुछ देर तक रहें।
- इस दौरान सांस लें और छोड़ते रहें।
- वापस पुरानी स्थिति में आने के लिए कूल्हों को नीचे करें और धीरे-धीरे रिलैक्स हो जाएं।
- पाचन दुरुस्त करने में मददगार
- खरगोश आसन करने से आपका पाचन तंत्र दुरुस्त हो सकता है। दरअसल जब आप इस मुद्रा को करते हैं तब आपको आगे की ओर झुकना होता है इससे पेट पर दबाव पड़ता है। इससे डाइजेस्टिव एंजाइम का स्राव बेहतर तरीके से होता है। यह पाचन अंगों को उत्तेजित करता है जिससे शरीर से विषाक्त पदार्थ बाहर निकल जाते हैं। इससे गैस कब्ज और एसिडिटी की परेशानी नहीं होती है।

### मेंटल हेल्थ को सुधारे

खरगोश आसन करने से मेंटल हेल्थ बेहतर होती है। इस मुद्रा से तंत्रिका तंत्र पर शांत प्रभाव पड़ता है। यह दिमाग में ब्लड सर्कुलेशन को बढ़ाकर ऑक्सीजन प्रवाह बढ़ाने में मदद करता है जिससे दिमाग एक्टिव होता है। इससे तनाव, डिप्रेशन जैसी समस्या दूर होती है। इस आसन को करने से पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है। इससे क्रोध प्रबंधन में मदद मिलती है।

# आपके ये हेल्दी फूड्स पेट की बजाते हैं बैंड, खराब हो सकता है डाइजेशन

आपका स्वास्थ्य बेहतर तब होगा, जब आपका डाइजेशन अच्छा होगा। डाइजेशन खराब हो, तो खाने-पीने में समस्या रहती है। छाती में जलन रहती है। खाना खाने बाद तुरंत पेट खराब हो जाता है और अक्सर गैस और एसिडिटी की समस्या भी हो जाती है। हम क्या खाते हैं और किस तरह से खा रहे हैं, वह खाना पचाने की प्रक्रिया में महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। स्पाइसी, ऑयली और प्रोसेस्ड फूड के बारे में सब जानते हैं कि वो आपके पेट को खराब कर सकते हैं। हालांकि, ऐसे कई फूड्स हैं, जो स्वास्थ्य के लिए अच्छे होते हैं, लेकिन हकीकत में वे भी आपकी गट हेल्थ को नुकसान पहुंचाते हैं। ऐसे कई सारे अच्छे फूड्स हैं, जो डाइजेशन के लिए बैड हो सकते हैं। यह एक्सपर्ट्स भी कहते हैं। जानी-मानी न्यूट्रिशनिस्ट ने अपने सोशल मीडिया हैंडल पर एक पोस्ट शेयर किया था। जहां उन्होंने उन फूड्स के बारे में बताया था जो पाचन तंत्र को गड़बड़ कर सकते हैं। वह कहती हैं ऐसी कई सब्जियां और दालें हैं, जिन्हें खाकर प्रोटीन और फाइबर प्राप्त होता है। मगर ये अच्छी चीजें भी आपको गैस और ब्लोटिंग जैसी समस्याएं दे सकती हैं। लेकिन इसका मतलब यह नहीं है कि आपको उन्हें अपने आहार से पूरी तरह हटा दें, क्योंकि उनमें कुछ आवश्यक पोषक तत्व होते हैं जिनकी आपके शरीर को वास्तव में आवश्यकता होती है। जरूरी है कि ऐसी चीजों को आप लिमिट में अपने आहार में शामिल करें। आइए न्यूट्रिशनिस्ट अंजली से जानते हैं उन फूड्स के बारे में जो आपके पाचन के लिए खराब हो सकते हैं।

### क्रूसिफेरस सब्जियां

क्रूसिफेरस कहते ही ब्रोकोली सबसे पहले दिमाग में आती होगी। इसके साथ ही फूलगोभी और ब्रसेल्स स्प्राउट्स जैसी क्रूसिफेरस सब्जियां पोषक तत्वों और फाइबर से भरपूर होती हैं। इन सब्जियों को अक्सर डाइट में शामिल करने की सलाह दी जाती है। मगर न्यूट्रिशनिस्ट अंजली का कहना है कि उनमें सल्फर की मात्रा बहुत ज्यादा होती है। रैफिनोज और सल्फर जैसे कंपाउंड्स के कारण उन्हें पचाना मुश्किल हो जाता है। ये कंपाउंड्स उन लोगों को ज्यादा नुकसान पहुंचा सकते हैं, जिनका डाइजेशन सेंसिटिव होता है। इन सब्जियों से गैस,जलन, सूजन और ब्लोटिंग उत्पन्न हो सकती हैं। पाचन समस्याओं को कम करने के लिए, इन सब्जियों को अच्छी तरह से पकाने की कोशिश करें। ये सब्जियां आपके शरीर को डिटॉक्सिफाई करती हैं, लेकिन उसके साथ ही गैस और ब्लोटिंग पैदा कर सकती हैं। अगर आप कभी मूली, पत्तागोभी जैसी सब्जियां खाएं, तो उन्हें हमेशा पकाएं या फिर फर्मेंट करके उनका सेवन करें।

### बीन्स और फलियां

बीन्स और फलियां प्रोटीन, फाइबर और आवश्यक पोषक तत्वों के बहुत अच्छा स्रोत हैं। हालांकि, उनमें ऑलिगोसेकेराइड्स भी होते हैं, एक प्रकार का कार्बोहाइड्रेट जिसे शरीर को पूरी तरह से तोड़ने में कठिनाई होती है। इससे पेट में बहुत ज्यादा गैस बनती है और साथ ही पेट फूलने की समस्या भी हो सकती है। कई सारे लोगों को बीन्स खाना पसंद नहीं होता है या उन्हें इसकी आदत नहीं होती है।
ऐसे में यदि वह इन चीजों का सेवन कर लेते हैं, तो उनकी गट हेल्थ खराब हो सकती है। पाचन शक्ति में सुधार करने के लिए, खाना पकाने से पहले ड्राई बीन्स को भिगोना जरूरी हो जाता है। इसी के साथ, कोशिश करें कि इसका सेवन धीरे-धीरे और आराम से करें।

### साबुत अनाज

फाइबर हमारे शरीर के लिए बहुत जरूरी है। इसका सेवन करने से हमें पूरे दिन काम करने की शक्ति मिलती है। गेहूं, जौ और जई जैसे साबुत अनाज को उनकी उच्च फाइबर सामग्री और कई स्वास्थ्य लाभों के लिए सराहा जाता है। फाइबर आपकी गट हेल्थ के लिए बहुत आवश्यक है। हालांकि, साबुत अनाज में पाए जाने वाले फाइबर, विशेष रूप से अघुलनशील फाइबर, को पचाना कुछ लोगों के लिए चुनौतीपूर्ण हो सकता है। इसी कारण से ये साबुत अनाज का सेवन करने से सूजन, गैस और पेट में अन्य किसी परेशानी हो सकती है। यदि आप साबुत अनाज खाने के बाद पाचन समस्याओं का अनुभव करते हैं, तो इनकी जगह रिफाइन्ड अनाज जैसे क्विनोआ या ब्राउन चावल जैसे ग्लूटेन-फ्री विकल्पों का सेवन कर सकते हैं।

### कच्ची सब्जियां और फल

आपको भी सलाद के रूप में कच्ची सब्जियां खाना पसंद होगा। मूली और प्याज का सेवन तो खाने के साथ किया ही जाता है। लेकिन क्या आपको पता है कि ये चीजें आपके डाइजेशन को कमजोर कर सकती हैं। फल और सब्जियों में भरपूर पोषण होता है, लेकिन कई बार इनका अधिक सेवन करने से इन्हें पचाने में मुश्किल हो सकती है। कच्ची सब्जियां और फल अघुलनशील फाइबर से भरपूर होते हैं, जिन्हें पचाना मुश्किल हो सकता है और ये सूजन, ब्लोटिंग और गैस की समस्या का कारण बन सकते हैं। कच्ची सब्जियों और फलों का सेवन कभी भी रात को न करें। सलाद या फल को लंच से पहले लें।

# खाना खाने के बाद आलस क्यों आता है?

**एनर्जी और ताकत के लिए हम तीन वक्त खाना खाते हैं, लेकिन अक्सर यह देखा जाता है कि खाना खाने के बाद थकान आलस और नींद आने लगती है। खासकर दोपहर में लंच के बाद बहुत सारे लोगों को आलस आने लगता है। वर्किंग लोगों के लिए खास कर ऐसा होना दिक्कत करता है। अब सवाल है कि आखिर खाना खाने के बाद आलस आता क्यों है।**

एक्सपर्ट के मुताबिक जो लोग प्रोटीन और कार्बोहाइड्रेट से भरपूर भोजन करते हैं उन्हें अधिक आलस आता है। वह ज्यादा थका हुआ महसूस करते हैं। दरअसल प्रोटीन रिच फूड्स में ट्राइप्टोफैन नाम का एक अमीनो एसिड होता है। यह सेरोटोनिन का उत्पादन करने में मदद करता है। सेरोटोनिन मूड को सही करता है और नींद के लिए जिम्मेदार होता है। सेरोटोनिन मन को शांत करता है। वहीं कार्बोहाइड्रेट ट्राइप्टोफैन को अवशोषित करने में शरीर की मदद करता है। ऐसे में प्रोटीन और कार्ब्स खाया जाए तो आलस और नींद आना तय है। खास कर जो लोग चावल खाते हैं उन्हें आलस जरूर आता है। वहीं कुछ लोग जरूर से ज्यादा खाना खा लेते हैं इस वजह से भी थकान का अनुभव होता है। इसके अलावा जो लोग प्री डायबिटिक होते हैं या डायबिटीज से पीड़ित होते हैं, उन्हें भी खाना खाने के बाद थकान महसूस हो सकती है। क्योंकि ब्लड शुगर का स्तर अधिक हो जाता है और ऊर्जा के स्तर में कमी आने लगती है।

### आलस और नींद से बचने के उपाय

- एक बार में अधिक खाने से बचें।
- रात को अच्छी नींद लें।
- खाना खाने के बाद वॉक जरूर करें। फिजिकली एक्टिव रहने पर आलस और थकान से बचा जा सकता है।
- कुछ देर धूप जरूर लें। इससे भी आलस कम होने लगता है।
- लंच में हाई फाइबर युक्त भोजन का सेवन करें।
- कार्ब्स और ज्यादा प्रोटीन लेने से बचें।

# खून की कमी दूर करने के लिए खाएं यह आटा

**खून की कमी बहुत आम है। शरीर में हीमोग्लोबिन कम होने थकान, कमजोरी और सिरदर्द जैसे लक्षण नजर आते हैं। इसे दूर करने के लिए डाइट में बदलाव सबसे जरूरी है।**

खून की कमी होना बहुत आम है। डाइट सही न होने पर या अन्य किसी वजह से जब शरीर में खून की कमी होती है, तो इससे एनीमिया हो सकता है। महिलाओं के शरीर से हर महीने पीरियड्स के दौरान भी काफी मात्रा में खून बाहर निकलता है। हैवी पीरियड्स होने पर भी एनीमिया का खतरा बना रहता है। शरीर में आयरन की कमी होने पर कई तरह की परेशानियां हो सकती है। आयरन एक ऐसा मिनरल है, जो खून में ऑक्सीजन को ले जाने के लिए जरूरी प्रोटीन हीमोग्लोबिन के फंक्शन में अहम भूमिका निभाता है। इसलिए, इसका सही मात्रा में होना बहुत जरूरी है। खून की कमी होने पर कमजोरी महसूस होना, थकान, सांस लेने में मुश्किल, डाइजेशन पर असर और त्वचा का पीला पड़ना जैसे लक्षण नजर आते हैं। इसे दूर करने के लिए डाइट में बदलाव सबसे जरूरी है। यहां हम आपको एक ऐसे आटे के बारे में बता रहे हैं, जो काफी हद तक आपकी मदद कर सकता है।

- रागी को नाचनी, फाक्सटेल बाजरा और फिंगर मिलेट भी कहा जाता है।
- इसमें प्रोटीन भरपूर मात्रा में पाया जाता है। प्रोटीन सेल्स को फिर से बनाने और उनको रिपेयर करने में यह अहम भूमिका निभाता है।
- यह शरीर में खून के प्रवाह को सही बनाए रखने में भी मदद करता है।
- रागी एंटी-ऑक्सीडेंट से भरपूर होता है और कई तरह के इंफेक्शन्स से लड़ने में शरीर की मदद करता है।
- विटामिन डी और कैल्शियम के अलावा, रागी में आयरन भी भरपूर मात्रा में होता है।
- शरीर में हीमोग्लोबिन की कमी को दूर करने में यह मदद कर सकता है।
- यह कब्ज को दूर करता है और वजन कम करने में भी फायदेमंद है।
- इससे ब्लड शुगर लेवल कंट्रोल करने में भी मदद मिलती है।

### डाइट में कैसे शामिल करें रागी का आटा?

- रागी के आटे को डाइट में शामिल करने के कई तरीके हैं।
- आप इसकी रोटी, इडली और डोसा बना सकती हैं।
- रागी के आटे को वेज सूप में भी डाला जाता है। इसका सूप सेहत के लिए फायदेमंद होता है।
- इसकी खिचड़ी भी बन सकती है।
- गर्मियों में आप खजूर, केले और दूध के साथ मिलाकर इसका शेक बना सकती हैं।

# बदलते मौसम में डाइट में शामिल करें ये चीजें, इम्यूनिटी होगी मजबूत

**जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उन्हें बदलते मौसम में बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए सही डाइट बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट की बताई इन चीजों को जरूर खाएं।**

बदलते मौसम में बीमारियों का खतरा ज्यादा बना रहता है। खासकर, जिन लोगों की इम्यूनिटी कमजोर होती है, उन्हें बीमारियां जल्दी घेर लेती हैं। बीमारियों से बचने और सेहतमंद रहने के लिए इम्यूनिटी का मजबूत होना जरूरी है। अगर आपकी इम्यूनिटी मजबूत है, तो कई बीमारियों और इंफेक्शन्स से आपका बचाव होता है। इस वक्त मौसम बदल रहा है। ठंड खत्म हो रही है और धीरे-धीरे गर्मी की शुरुआत होने लगेगी। ऐसे में मौसमी बीमारियों से बचने के लिए आपको डाइट पर खास ध्यान देना चाहिए। इम्यूनिटी मजबूत बनाने के लिए सही डाइट बहुत जरूरी है। एक्सपर्ट की बताई कुछ खास चीजों को डाइट में शामिल कर, आप मौसमी बीमारियों से बच सकती हैं।

**खट्टे फल** - बदलते मौसम के बीच इम्यूनिटी को मजबूत बनाए रखने के लिए खट्टे फलों को डाइट में शामिल करें। इन फलों में विटामिन सी भरपूर मात्रा में होता है, जो इम्यूनिटी को बूस्ट करता है। विटामिन सी, ब्लड में व्हाइट ब्लड सेल्स के प्रोडक्शन को बढ़ाता है। यही सेल्स इंफेक्शन्स से लड़ने में मदद करती हैं। खट्टे फल जैसे संतरा, अंगूर, मौसमी, कीनू, चकोतरा और नींबू को डाइट में शामिल करें।

**सूखे मेवे** - ड्राई फ्रूट्स सेहत के लिए काफी अच्छे होते हैं। इनमें जिंक और अन्य न्यूट्रिएंट्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इसलिए, बदलते मौसम में इन्हें डाइट में जरूर शामिल करें। भीगे हुए बादाम, अखरोट, काजू और किशमिश आपके लिए फायदेमंद रहेंगे। साथ ही, सूरजमुखी के बीज, कद्दू के बीज और चिया सीड्स खाएं।

**अदरक और लहसुन** - अदरक और लहसुन का इस्तेमाल लगभग सभी भारतीय घरों में किया जाता है। अदरक में एंटी-इंफ्लेमेटरी और एंटी-माइक्रोबेयिल गुण पाए जाते हैं। वहीं, लहसुन में भी एंटी-माइक्रोबेयिल गुण होते हैं। ये दोनों की चीजें कई तरह के इंफेक्शन्स से शरीर की रक्षा करती हैं।

**ब्रोकली** - ब्रोकली (ब्रोकली के फायदे) सेहत के लिए बहुत फायदेमंद होती है। इसमें विटामिन्स और मिनरल्स भरपूर मात्रा में होते हैं। इसके अलावा, ब्रोकली में फाइबर और एंटी-ऑक्सीडेंट्स भी काफी होते हैं। ये सभी चीजें सेहत को लाभ पहुंचाती हैं।

# क्या होता है ब्रेन जिम? जानें इसके फायदे

सेहतमंद रहने के लिए हमें एक्सरसाइज की जरूरत पड़ती है। इसके लिए घंटो हम जिम में पसीने बहाते हैं। एक्सरसाइज करने से फिजिकल स्ट्रैंथ बढ़ता है और भी कई तरह की बीमारियों से बचाव होता है। लेकिन क्या आपको मालूम है कि हमारे मस्तिष्क को भी जिम की जरूरत होती है? जी हां ब्रेन हेल्थ को बूस्ट करने के लिए ब्रेन जिम एक्सरसाइज की जरूरत होती है।

### क्या होता है ब्रेन जिम?

हड्डियों को मजबूती देने और मांसपेशियों को टोन करने के लिए जिस तरह से हमें एक्सरसाइज की जरूरत होती है। ठीक उसी प्रकार से ब्रेन के न्यूरॉन को एक्सरसाइज की जरूरत होती है। ब्रेन एक्सरसाइज करने से न्यूरॉन को एक्टिवेट किया जाता है। ब्रेन में ब्लड का सर्कुलेशन सही होता है इससे तनाव, एंजायटी, डिप्रेशन और भी कई तरह की मानसिक समस्याओं से बचा जा सकता है। इससे पॉजिटिव एनर्जी का संचार होता है । आइए जानते हैं कब पड़ती है ब्रेन जिम की जरूरत और यह कैसे किया जाता है।

### ब्रेन जिम की जरूरत कब पड़ती है?

- चीजों को याद रखने में परेशानी होना
- छोटी-छोटी बातों पर गुस्सा जाना
- अकेले रहने का दिल करना
- फोकस करने में दिक्कत आना
- किसी नई चीज को समझने में दिक्कत महसूस करना
- किसी नए व्यक्ति से बातचीत करने से कतरना
- डिमेंशिया और अल्जाइमर से पीड़ित होना।

### कैसे करें ब्रेन जिम?

- ब्रेन जिम करने के लिए आपको ब्रेन से कुछ भी करने की जरूरत नहीं होती है। इसमें शरीर का इस्तेमाल होता है आप इसके लिए क्रॉस क्रॉल कर सकते हैं।
- अपने पैरों को थोड़ा दूर करके सीधे खड़े हो जाएं।
- अपने कंधों को पीछे की ओर खींचे और छाती को बाहर निकालने की कोशिश करें।
- अब सीधे देखते हुए अपने दाएं हाथ को सिर के ऊपर उठाएं।
- अब अपने बाएं पैर को जमीन से ऊपर उठें और बाएं घुटने को दाएं कोहनी से मिलाने की कोशिश करें।
- ऐसे ही अब अपनी बाएं कोहनी को मोड़ ले और उसे दाएं घुटनों के साथ टच करने की कोशिश करें।

# पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र ने पीसीआई अध्यक्ष पद के लिए भरा नामांकन

### नौ मार्च को चुनाव

**नई दिल्ली, एजेंसी।** दो बार के पैरालंपिक स्वर्ण पदक विजेता देवेंद्र झाझरिया ने भारतीय पैरालंपिक समिति (पीसीआई) के नौ मार्च को होने वाले चुनाव में अध्यक्ष पद के लिए बुधवार को नामांकन पत्र दाखिल किया। पीसीआई के चुनाव अध्यक्ष, दो उपाध्यक्ष, महासचिव, कोषाध्यक्ष, दो संयुक्त सचिव और कार्यकारी समिति के पांच सदस्यों के लिए होंगे।

भाला फेंक के एथलीट 42 वर्षीय झाझरिया ने 2004 में एथेंस और 2016 में रियो पैरालंपिक में स्वर्ण पदक जीते थे। उन्होंने 2021 में तोक्यो पैरालंपिक में रजत पदक हासिल किया था। झाझरिया ने विश्व चैंपियनशिप 2013 में स्वर्ण पदक और 2015 में रजत पदक जीता था। उन्होंने 2014 में एशियाई पैरा खेलों में रजत पदक हासिल किया था।

झाझरिया ने कहा, 'मेरे शुभचिंतकों के प्रोत्साहन तथा पैरा खेलों और पैरा खिलाड़ियों की बेहतरी के लिए काम करने के उद्देश्य से मैंने भारतीय पैरालंपिक समिति के अध्यक्ष पद के लिए अपना नामांकन पत्र दाखिल किया है। मैं पिछले चार साल से पीसीआई में पैरा खिलाड़ियों का प्रतिनिधि रहा हूं, लेकिन कई शुभचिंतक चाहते हैं कि मैं अब पीसीआई का नेतृत्व करूं। इसलिए मैंने शीर्ष पद के लिए अपनी उम्मीदवारी पेश की।

# क्या विराट कोहली क्रिकेट के मैनुअल नेउर हैं?

## दिग्गज क्लब बायर्न म्यूनिख की यह प्रतिक्रिया वायरल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत के आइकन विराट कोहली अपनी पीढ़ी के बेहतरीन बल्लेबाजों में से एक हैं। साल 2008 में भारत के लिए डेब्यू करने के बाद से कोहली ने सभी प्रारूपों में टीम के लिए शानदार प्रदर्शन किया है। 35 साल के इस खिलाड़ी के न केवल क्रिकेट स्किल के कारण बल्कि फिटनेस और लंबी उम्र के कारण भी दुनिया भर में बड़ी संख्या में फैंस हैं। जर्मनी के सबसे सफल फुटबॉल क्लब बायर्न म्यूनिख भी कोहली के फैन क्लब में शामिल हो गया है। बायर्न ने पूर्व भारतीय कप्तान को अपने महान गोलकीपर मैनुअल नेउर के समकक्ष करार दिया।

### 2011 में बायर्न में शामिल हुए थे नेउर

शाल्के में अपने खेल से सभी का ध्यान खींचने के बाद नेउर 2011 में बायर्न म्यूनिख में शामिल हो गए थे। इसके बाद से 37 वर्षीय नेउर ने बायर्न के लिए असाधारण प्रदर्शन किया है। बायर्न की अभूतपूर्व सफलता में उनका बहुत बड़ा हाथ रहा है। सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर, एक फैन ने जर्मन क्लब से विभिन्न खेलों के दो एथलीटों के नाम पूछे, जो एक-दूसरे के क्रॉस-स्पोर्ट्स समकक्ष हैं। इस सवाल का जवाब देते हुए बायर्न ने कोहली की तुलना नेउर से की। उनका जवाब सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है।

### 28 ट्रॉफी जीत चुके हैं नेउर

2011 में बायर्न जाने के बाद से, नेउर ने 28 ट्राफियां जीती हैं, जिसमें 11 बुंदेसलीगा खिताब और 2013 और 2020 में

दो यूईएफए चैंपियंस लीग खिताब शामिल हैं। वह जर्मनी की सफलता में भी एक महत्वपूर्ण खिलाड़ी रहे हैं। जर्मनी के 2014 विश्व कप का खिताब उठाने में नेउर की भूमिका अहम रही थी। ब्राजील में अर्जेंटीना के खिलाफ फाइनल में नेउर ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई थी।

### 2014 में विश्व कप जीत में निभाई थी अहम भूमिका

उन्होंने गोंजालो हिगुएन और लियोनेल मेसी के शॉट का शानदार बचाव किया था। इसके बाद जर्मनी ने मारियो गोट्जे के अतिरिक्त समय में किए गए गोल से जीत हासिल की थी। हालांकि, जर्मन फुटबॉल लीग बुंदेसलीगा में बायर्न अभी शीर्ष पर चल रही टीम बेयर लेवरक्यूसन से 23 मैचों के बाद आठ अंकों से पीछे चल रही है। दोनों टीमों के बीच इस महीने की शुरुआत में मैच हुआ था। म्यूनिख ने जाबी अलोंसो की लेवरक्यूसन टीम बे एरिना में हुए मैच में 3-0 से हराया था।

# धर्मशाला टेस्ट में केएल राहुल की वापसी पर सस्पेंस

**नई दिल्ली, एजेंसी।** भारत और इंग्लैंड के बीच खेले जा रहे टेस्ट सीरीज के पांचवें और अंतिम मैच में केएल राहुल की वापसी पर संशय बरकरार है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, वह

इलाज के लिए लंदन गए हैं। सीरीज में इंग्लैंड के खिलाफ भारत ने 3-1 की अजेय बढ़त बना ली है।

सीरीज का आखिरी मैच धर्मशाला में 7 मार्च से खेला जाएगा। वहीं, इस मैच से पहले केएल राहुल की वापसी को लेकर एक बार फिर चर्चा तेज हो गई है। विशाखापत्तनम में दूसरे टेस्ट से पहले बीसीसीआई ने एक बयान में कहा था कि राहुल दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत के कारण मैच नहीं खेल पाएंगे। लेकिन, ईएसपीएन क्रिकइन्फो की एक रिपोर्ट में बताया गया है कि राहुल इस समय जाँघ के सामने के हिस्से में चोट के लिए एक विशेषज्ञ से परामर्श लेने के लिए लंदन में हैं।

इस कारण उन्हें हैदराबाद में श्रृंखला के शुरुआती मैच के बाद एक्शन से बाहर होना पड़ा। सीरीज के पहले मैच में राहुल ने 86 और 22 रनों की पारियाँ खेली थी। पहले मुकाबले में ही उन्होंने दाहिने क्वाड्रिसेप्स में दर्द की शिकायत की थी, जिसके बाद राहुल को दूसरे टेस्ट में आराम दिया गया था।

# साइना और सिंधु का विकल्प बन रहीं अनमोल खरब

### बैडमिंटन

**नईदिल्ली, एजेंसी।** अभी दो सप्ताह से भारतीय बैडमिंटन में एक नाम बड़ा गर्व से लिया जा रहा है। यह नाम है अपने जीवन के मात्र 17वें वसंत में चल रही अनमोल खरब का। उन्होंने भारत के लिए इतिहास रचा है। दो सप्ताह पूर्व मलेशिया में संपन्न बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप के खिताबी मुकाबले में जब थाइलैंड व भारत का मुकाबला 2-2 से बराबर था।

उस समय निर्णायक मुकाबले में भारतीय बैडमिंटन की इस नई सनसनी ने अपने शानदार खेल से थाइलैंड की 45वीं वरीयता की पी चोएलकिवांग के खिलाफ अप्रत्याशित जीत दर्ज कर भारत के नाम महिला वर्ग में पहली बार बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप का ऐतिहासिक खिताब कर दिया। जो, अब तक साइना व सिंधु जैसी शानदार खिलाड़ी के एक ही समय खेलते हुए देश के नाम नहीं हो पाया था। हालांकि इस

प्रतियोगिता में भारतीय टीम में पीवी सिंधु शामिल थीं। हरियाणा के फरीदाबाद में जन्मीं अनमोल खरब ने बहुत कम उम्र में अपनी प्रतिभा का परचम फहराने का जो चामत्कारिक सफर शुरू किया है, उसके पीछे पिता देवेंद्र खरब का बहुत बड़ा योगदान है, जिन्होंने अपनी इस प्रतिभाशाली बेटी में खेल के प्रति दीवानगी को देखते हुए पहले स्केटिंग, फिर बैडमिंटन में आगे बढाने का निश्चय किया। अपने आवास के पास ही बैडमिंटन कोर्ट पड़ोसियों के सहयोग से बनाया, वह बेटी अनमोल के लिए सही साबित हुआ। अपने नियमित अभ्यास के अलावा, अनमोल ने अपने तकनीकी प्रशिक्षण के पूरक के लिए कुछ अपरंपरागत साधन भी अपनाए। अनमोल खरब आज जिस विजय रथ पर सवार हो कर चर्चा में हैं उसमें मां राजबाला के योगदान को भी नहीं भुलाया जा सकता।

जो अपनी लाडली बेटी को इस खेल में नई ऊंचाइयों पर पहुंचाने के लिए अभ्यास हेतु फरीदाबाद से नोएडा तक प्रतिदिन तीन घंटे का सफर तय कर प्रशिक्षण के लिए ले जाती थीं। माता-पिता के साथ आज अनमोल का खेल जो विश्व स्तर के खिलाड़ियों को पछाड़ने में सक्षम बन पा रहा है उसमें अनमोल के प्रशिक्षकों संजय सपरा, एक अकादमी के इंडोनेशियाई कोच मोहम्मद रज्जाक, नोएडा अकादमी की कोच सुमन सिंह व भारतीय टीम के कोच पी गोपीचंद के योगदान को भी नहीं भुलाया जा सकता, जिन्होंने इस युवा खिलाड़ी के खेल को अपने मार्गदर्शन से मांजकर खरा बनाने के लिए निरंतर प्रयास किया है और कर रहे हैं।

इसमें कोई दो राय नहीं है कि अनमोल का करिअर अब तक छोटा सा रहा है। लेकिन इसमें खेल के प्रति जो जुनून है व जीत की जो भूख है उसी का परिणाम है कि उसने अंडर-17, अंडर-19 व सीनियर नेशनल का खिताब अपने नाम करते हुए सबको चौंका दिया। बेहतरीन खेल का जलवा ही रहा कि अनमोल का चयन 2022 में अंडर 17 एशियाई जूनियर में भारतीय टीम में हुआ।

### न्यूजीलैंड वर्सेस ऑस्ट्रेलिया

# कैमरून ग्रीन ने ठोकी दूसरी टेस्ट सेंचुरी

**वेलिंग्टन, एजेंसी।** ऑस्ट्रेलिया के कैमरून ग्रीन ने न्यूजीलैंड के खिलाफ पहले टेस्ट में शतक जड़कर अपनी टीम को शर्मिंदगी से बचा लिया। न्यूजीलैंड के तेज गेंदबाजों के घातक आक्रमण के बावजूद ग्रीन 155 गेंद में 103 रन बनाकर नॉटआउट लौटने में सफल रहे। ग्रीन की ही पारी के बूते ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले दिन का खेल खत्म होने तक नौ विकेट खोकर 279 रन बनाने में कामयाब रही।

न्यूजीलैंड के मैट हेनरी ने वेलिंग्टन के बेसिन रिजर्व में ग्रीन टॉप विकेट पर पेस अटैक का नेतृत्व करते हुए 43 रन देकर चार विकेट झटके। वह कंगारू बल्लेबाजों के लिए काल बने रहे। ऑस्ट्रेलिया के लिए सिर्फ कैमरून ग्रीन ही संघर्ष करते नजर आए, जिन्होंने पहले अर्धशतक और फिर अपने करियर का दूसरा शतक पूरा किया। कैमरन ग्रीन को हाल ही में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर ने मुंबई इंडियंस से लिया है।

मुंबई ने ग्रीन को ऑल कैश ट्रांसफर में आरसीबी को सौंपा। ऐसे में रॉयल चैलेंजर्स बैंगलोर फ्रैंचाइजी अपने नए प्लेयर के शानदार शतक से गदगद होगी। विराट कोहली, फाफ डुप्लेसिस और ग्लेन मैक्सवेल सरीखे तोप बल्लेबाजों के बीच ग्रीन का शानदार फॉर्म सोने पर सुहागा काम करेगा।

### पतझड़ के बीच टिके ग्रीन

न्यूजीलैंड का टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला उस वक्त गलत साबित हो गया, जब टीम ने 61 रन पर स्टीव स्मिथ (31) के रूप में पहला विकेट गंवा दिया। वह उस्मान ख्वाजा (33) के साथ ओपनिंग करने उतरे थे। स्कोर में चार रन ही जुड़ पाया था कि तीसरे नंबर पर उतरे नए बल्लेबाज मार्नस लाबुशेन (1) भी चलते बने।

ट्रेविस हेड (1) भी सिर्फ एक रन बनाकर आउट हुए। 90 रन के भीतर कंगारू अपने चार विकेट गंवा चुके थे। इसके बाद उन्होंने मिचेल मार्श (40), एलेक्स कैरी, मिचेल स्टार्क, पैट कमिंस और नाथन लियोन के साथ छोटी-छोटी साझेदारी की। न्यूजीलैंड का बेसिन रिजर्व में शानदार रिकॉर्ड है। इस ग्राउंड पर उसने पिछले पांच मैच में शानदार जीत हासिल की है। बावजूद इसके कीवी 31 साल में ऑस्ट्रेलिया पर अपनी पहली घरेलू टेस्ट जीत की तलाश में है।

# डब्लूपीएल 2024 से 20-25 खिलाड़ियों का पूल बनाना चाहता हूं : अमोल मजूमदार

**बेंगलुरु, एजेंसी।** भारतीय महिला टीम के प्रमुख कोच अमोल मजूमदार ने कहा है कि वह डब्लूपीएल 2024 से कम से कम 25 खिलाड़ियों का एक पूल बनाना चाहते हैं। उन्होंने कहा, मैं 20-25 खिलाड़ियों का एक पूल बनाना

चाहता हूं, जिससे 20-25 खिलाड़ियों का एक मज़बूत बेंच स्ट्रेंथ तैयार किया जा सके। मेरी नज़र प्रमुख रूप से तेज़ गेंदबाज़ों पर है।

मजूमदार ने आख़िरी गेंद पर छक्का लगाकर मुंबई इंडियंस को जीत दिलाने वाली सजीवन सजना की तारीफ़ की और कहा कि उनसे आप भारतीय महिला क्रिकेट की गहराई का अंदाज़ा लगा सकते हैं। सतीश शुभा के बारे में उन्होंने बताया कि शुभा को उन्होंने एक अभ्यास मैच में देखा था और सीधे भारतीय टीम में खेलाने का फ़ैसला किया था। शुभा ने इंग्लैंड के ख़िलाफ़ डेब्यू करते हुए अर्धशतक जड़ा था। हालांकि वह चोट के कारण ऑस्ट्रेलिया के ख़िलाफ़ सीरीज़ का हिस्सा नहीं बन पाई थीं। उन्होंने कहा, मैंने एनसीए में एक मैच आयोजित किया था, जिसमें शुभा ने 99 और 50 का स्कोर किया। वह बाएं हाथ की बल्लेबाज़ हैं और नंबर तीन पर बल्लेबाज़ी करती हैं।

मुझे वह पसंद आई और मैंने उन्हें टीम में लाने का फ़ैसला किया। मैं हरमनप्रीत को धन्यवाद देना चाहूंगा कि वह मेरी बात मान गईं। मजूमदार ने बताया कि उनका ज़ोर फ़ील्डिंग और फ़िटनेस पर है और सभी खिलाड़ियों को इसकी जानकारी दे दी गई है और सभी इस पर काम कर रही हैं। इसके लिए एक विस्तृत योजना भी बनाई गई है।

डब्लूपीएल 2024 में भारतीय बल्लेबाजों ख़ासकर एस मेघना, ऋचा घोष और शेफ़ाली वर्मा के अब तक के प्रदर्शन से मजूमदार ख़ुश नज़र आए।

# महिला प्रीमियर लीग में बवाल, सुरक्षा में सेंध लगाकर मैदान में घुसा शख्स

**बेंगलुरु, एजेंसी ।** महिला प्रीमियर लीग 2024 के छठे मैच में जमकर बखेड़ा तब खड़ा हुआ जब एक शख्स सुरक्षा में सेंध लगातर जबरन मैदान में घुस आया, लेकिन यूपी वारियर्स की कप्तान एलिसा हीली ने उसे पिच की ओर बढ़ने से रोक दिया। यह घटना यूपी वारियर्स और मुंबई इंडियंस के बीच 28 फरवरी को बेंगलुरु में खेले गए मैच में हुई। मुंबई की पारी के अंतिम ओवर में एक दर्शक सुरक्षा का उल्लंघन करते हुए मैदान पर घुस गया, जिसके कारण मैच थोड़ी देर के लिए रोकना भी पड़ा।

एलिसा, जो उस समय विकेटकीपिंग कर रही थी। उन्हें लगा कि वो पिच को नुकसान पहुंचाएगा, जिसके बाद उन्होंने इस दर्शक को पकड़कर अलग कर दिया। विकेट-कीपिंग कर रही हीली ने इस दौरान उस शख्स पर काबू पाने के लिए हर मुमकिन कोशिश की।

### एक समय मुझे भी लगा कि...

# आत्महत्या कर लूं: कंगना

बॉलीवुड की जानी-मानी एक्ट्रेस कंगना रनौत अपनी शानदार एक्टिंग के लिए जानी जाती हैं। एक्ट्रेस ने कई बेहतरीन फिल्मों का हिस्सा रह चुकी हैं। कंगना रनौत अपनी फिल्मों के अलावा अपने बेबाक बयानों को लेकर भी सुर्खियों में रहती हैं। एक्ट्रेस हर मुद्दे पर अपनी राय रखने से पीछे नहीं हटती हैं।

एक्ट्रेस इन बयानों की वजह से लोगों के निशाने पर भी आ जाती हैं। बयानों के साथ-साथ कंगना रनौत राजनीति में एंट्री को लेकर भी चर्चा में हैं। ये तो सभी जानते हैं कि कंगना रनौत की जावेद अख्तर के साथ कानूनी लड़ाई भी चर्चा में रहती है।

इस केस को लेकर भी एक्ट्रेस समय-समय पर सुर्खियों का हिस्सा बनती रहती हैं। ये विवाद थमने का नाम ही नहीं ले रहा। वहीं, अब इस मामले में एक बार फिर से एक्ट्रेस को कोर्ट में पेश होना पड़ा। इस दौरान कंगना ने अपनी सफाई देते हुए कहा कि एक समय पर उन्हें भी लगा था कि वह भी आत्महत्या कर लें। एक्ट्रेस ने कोर्ट के सामने और क्या कुछ कहा आइए आपको बताते हैं।

कंगना रनौत ने अंधेरी मजिस्ट्रेट अदालत में अपना बयान देते हुए कहा कि बॉलीवुड में आउटसाइडर को बुली किया जाता है। कई तरह से परेशान किया जाता है। मैंने भी इसे झेला है और उत्पीड़न की शिकायत की है। जब सुशांत सिंह राजपूत ने सुसाइड की थी, तो मेरे मन में भी इसका ख्याल आया था, क्योंकि सुशांत की सुसाइड का मुझ पर बड़ा असर हुआ था।

कंगना ने बताया कि साल 2016 में जब उनकी और ऋतिक रोशन की कॉन्ट्रोवर्सी चल रही थी, तो उस टाइम जावेद अख्तर ने उन्हें अपने घर पर बुलाया था और धमकी भी दी। हालांकि जावेद अख्तर ने कंगना रनौत के दावे को एकदम निराधार बताया।

# वर्क एनर्जी मोड में लौटने के लिए जमकर पसीना बहा रही हैं प्रियंका चोपड़ा

एक्ट्रेस प्रियंका चोपड़ा इन दिनों वर्क एनर्जी मोड में लौटने के लिए जमकर पसीना बहा रही हैं। प्रियंका ने इंस्टाग्राम पर एक मिरर सेल्फी पोस्ट की है जिसमें वह वर्कआउट गियर में दिख रही हैं। लव अगेन स्टार स्लेट ग्रे रंग की स्पोर्ट्स ब्रा और शॉर्ट्स में दिखाई दे रही हैं। वह नो मेकअप लुक में हैं और अपने बालों को जैसे-तैसे बन में बांध रखा है। 41 वर्षीय स्टार अपना समय पति निक जोनास और बेटी मालती मैरी जोनास चोपड़ा के साथ बिता रही हैं। वह लगातार सोशल मीडिया पर अपने प्रशंसकों और फॉलोअर्स के साथ अपनी निजी जिंदगी की झलक साझा करते हुए उनके साथ तस्वीरें अपलोड करती रहती हैं। प्रियंका ने इस बात का खुलासा नहीं किया कि वह किस चीज पर काम कर रही हैं। हालाँकि, खबर है कि वह इदरीस एल्बा स्टारर फिल्म हेड ऑफ स्टेट में नजर आएंगी। फिल्म का निर्देशन इल्या नैशुलर ने किया है।

# इमरान को मिली थी अभिनय भूल जाने की चेतावनी

अभिनेता इमरान हाशमी इन दिनों अपनी आगामी वेब सीरीज शोटाइम की रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। इस सीरीज के जरिए निर्माता करण जौहर हिंदी सिनेमा के पर्दे के पीछे की कहानी का पर्दाफाश करने वाले है। शोटाइम में इमरान के साथ मौनी रॉय, नसीरुद्दीन शाह मुख्य भूमिका में नजर आएंगे। हाल ही में एक बातचीत के दौरान इमरान ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया और बताया कि उन्हें निर्माता ने फिल्म से बाहर निकालने की चेतावनी दी थी।

### भट्ट परिवार से संबंध के बाद भी नहीं मिला सहयोग

इमरान हाशमी ने अपने शुरुआती दिनों को याद किया। अभिनेता ने वर्ष 2003 में फिल्म फुटपाथ से बॉलीवुड की दुनिया में कदम रखा था।

इस फिल्म का निर्देशन विक्रम भट्ट ने किया था। इमरान ने खुलासा किया कि भट्ट परिवार से रिश्ता होने के बाद भी उन्हें कोई सहयोग नहीं मिला। अभिनेता ने बताया कि जब उन्होंने अपने अभिनय करियर की शुरुआत की, तो महेश भट्ट ने उनसे कहा था, यदि आप पहले शॉट में और फिर उसके बाद के सीन में अच्छे से अभिनय नहीं कर पाए, तो हम आपको इस फिल्म से बाहर निकाल देंगे।

इमरान ने आगे बताया कि कैसे उन्हें अभिनय भूल जाने की चेतावनी देकर उनके अंदर डर पैदा किया गया था? अभिनेता ने महेश भट्ट का नाम लिए बिना कहा कि शुरुआत में उनसे कहा गया था कि यदि दर्शक आपको एक अभिनेता के रूप में पसंद नहीं करते हैं, तो हम आप पर अपना पैसा नहीं लगा सकते।

हम यहां दान करने के लिए नहीं बैठे हैं। बेसक हम एक ही परिवार का हिस्सा हैं, लेकिन फिर भी हम कुछ नहीं कर सकते, क्योंकि यह एक व्यवसाय है। उनसे आगे कहा गया कि आपको साबित करना होगा कि आप एक अच्छे अभिनेता हैं।

दैनिक सद्भावना पाती
इंदौर, शुक्रवार 01 मार्च , 2024



## संक्षिप्त समाचार

### दिल्ली में प्रोटेक्शन मनी वसूलने गए बदमाश पर भीड़ का हमला, 12 पुलिसकर्मी घायल

**नई दिल्ली, एजेंसी।** पश्चिमी दिल्ली के ख्याला इलाके में बुधवार को रंगदारी मांगने गए एक शख्स को भीड़ ने जमकर पीटा। रंगदारी मांगने के आरोपी पर हमले की खबर के बाद मौके पर पहुंची पुलिस टीम पर भी आक्रोशित भीड़ ने पथराव किया। भीड़ को काबू करने की कोशिश में कम से कम 12 पुलिसकर्मी घायल हो गए। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि ख्याला के रघुबीर नगर बाजार में प्रोटेक्शन मनी की वसूली करने पहुंचे बलराम नाम के आरोपी पर लोगों ने हमला बोल दिया। बलराम के खिलाफ 12 से अधिक आपराधिक केस दर्ज हैं। बलराम पर रघुबीर नगर बाजार में दुकानदारों को प्रोटेक्शन मनी के लिए धमकी देने का भी आरोप है। पुलिस उपायुक्त (पश्चिम) विचित्र वीर ने कहा कि हिंसा और जबरन वसूली को लेकर दो अलग-अलग प्राथमिकियां दर्ज की गई हैं। एक पुलिस अधिकारी ने बताया कि बलराम बुधवार को तड़के जब दुकानदारों से प्रोटेक्शन मनी की वसूली करने पहुंचा तो उसे कुछ लोगों ने पकड़ लिया और उसकी जमकर पिटाई कर दी। इस घटना की सूचना जब स्थानी पुलिस थाने को मिली तो एक टीम को मौके पर रवाना किया गया। अधिकारी ने बताया कि जब पुलिस टीम के जवानों ने बलराम को बचाने की कोशिश की तो भीड़ ने पुलिसकर्मियों पर पथराव कर दिया। भीड़ ने बाजार में खड़ी बलराम की कार को भी आग के हवाले कर दिया। यही नहीं उसके सहयोगी प्रमोद को पीटने की कोशिश की। पुलिस टीम ने आरोपी बलराम को सुरक्षित बचा लिया। इस घटना में 12 पुलिसकर्मियों को मामूली चोटें आई हैं। प्राथमिक उपचार के बाद सभी को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई। अधिकारी ने बताया कि बलराम सफदरजंग अस्पताल में भर्ती है। आरोपी बलराम की हालत स्थिर है। पुलिस ने बलराम को बचाने गए पुलिसकर्मियों पर हमला करने और रंगदारी वसूली करने के आरोपों पर दो केस दर्ज किए हैं। दोनों मामलों की जांच के लिए टीमें गठित कर दी गई हैं।

### सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन का बड़ा कदम, छह स्थानीय भाषाओं में जारी करेगा सर्कुलर

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन ने एक बड़ा कदम उठाया है। उसने अंग्रेजी के अलावा हिंदी और उर्दू सहित स्थानीय भाषाओं में अपने संचार और सर्कुलर जारी करने का फैसला लिया है। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के सचिव रोहित पांडे ने कहा कि शीर्ष न्यायालय के इतिहास में पहली बार हमने हिंदी, उर्दू, कन्नड़, बंगाली, मराठी और असमिया में भी सर्कुलर जारी करने का फैसला किया है। सुप्रीम कोर्ट एक मिनी इंडिया यानी छोटा भारत है। गौरतलब है कि एससीबीए ने अंग्रेजी के अलावा छह भाषाओं में एक सर्कुलर जारी किया है। यह सर्कुलर बुधवार शाम को सुप्रीम कोर्ट के जज जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा, जस्टिस आगस्टाइन जार्ज मसीह, जस्टिस संदीप मेहता और जस्टिस प्रसन्ना भालचंद्र वराले के सम्मान में होने वाले समारोह से संबंधित है।

### नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार पहुंचे अपने स्कूल

**तिरुअनंतपुरम , एजेंसी।** नौसेना प्रमुख एडमिरल आर. हरिकुमार दशकों बाद वजुथाकौड स्थित अपने मातृ संस्थान कार्मेल कॉन्वेंट एचएसएस पहुंचे। यहां स्कूल बैंड द्वारा उनका स्वागत किया गया और स्कूल परिसर में प्रवेश करते ही उनके चेहरे पर मुस्कान नजर आई। नौसेना प्रमुख 26-27 फरवरी को दो दिवसीय आधिकारिक यात्रा पर केरल की राजधानी में थे। एडमिरल आर. हरिकुमार ने इस स्कूल में दो साल तक पढ़ाई की थी। यहां उन्होंने अपनी पूर्व शिक्षिका जमीला को गले लगाया और उनके पैर छुए। इस दौरान उन्होंने अपनी कक्षा का भी भ्रमण किया, जहां वह दशकों पहले पढ़ते थे।

# आप विधायक प्रकाश जारवाल का विवादों से है पुराना नाता, विधायिकी पर खतरा

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
आत्महत्या के मामले में दोषी करार दिए गए प्रकाश जारवाल पर विधायकी जाने का खतरा मंडरा रहा है। उन्हें भारतीय दंड संहिता की धारा 306, 386, 120 बी और 506 के तहत दोषी करार दिया गया है। ऐसे में अधिकतम सजा 10 वर्ष तक की हो सकती है। वहीं, अदालत जुर्माना और अन्य धाराओं में सजा भी अलग-अलग भुगतने के लिए कह सकती है। 24 माह तक की सजा होने पर लोकसेवक की सदन की सदस्यता छिन जाती है।

ग्लोबल लॉयर्स एसोसिएशन ऑफ इंडिया के चेयरमैन और वरिष्ठ अधिवक्ता एके बाजपेई ने बताया कि 24 माह तक सजा पर लोकसेवक की सदन की सदस्यता बर्खास्त कर दी जाती है। हाल ही में पूर्व कांग्रेस नेता राहुल गांधी की लोकसभा सदस्यता दो वर्ष की सजा होने पर समाप्त हो गई थी। हालांकि, उच्च न्यायालय में आदेश को चुनौती दिए जाने के बाद हाईकोर्ट यदि सजा पर रोक लगा देता है तो उच्च न्यायालय की सुनवाई पूरी होने तक सदस्यता बनी रहेगी। बता दें इस मामले में अदालत 13 मार्च को सजा पर सुनवाई करेगी। बचाव पक्ष के वकील रवि दराल ने बताया कि इस मामले में सत्र न्यायालय के आदेश के खिलाफ उच्च न्यायालय में अपील की जाएगी। दराल ने बताया कि पुलिस द्वारा जिस धमकी भरे फोन की बात की जा रही है उसे कोर्ट में साबित नहीं किया जा सका है। पुलिस द्वारा पेश मोबाइल फोन को भी गवाहों द्वारा नकारा गया है। पुलिस जिस डायरी का हवाला देकर विधायक पर आरोप लगा रही है उसमें सात अन्य नाम भी मिले हैं, लेकिन पुलिस ने केवल कुछ लोगों को ही आरोपी बनाया है। जारवाल वर्ष 2017 से ही विवादों में रहे हैं। सबसे पहले देवली विधानसभा की ही रहने वाली एक महिला ने उन पर उत्पीड़न के आरोप लगे थे। इसके बाद 2018 में उन पर दिल्ली के तत्कालीन मुख्य सचिव अंशु प्रकाश के साथ मारपीट करने का आरोप लगा था। आम आदमी पार्टी विधायक प्रकाश जारवाल को अदालत द्वारा एक डॉक्टर की आत्महत्या के मामले में दोषी ठहराए जाने पर दिल्ली भाजपा ने सवाल उठाए हैं। पार्टी नेताओं ने विधायक को तत्काल निष्कासित करने की मांग की। बुधवार को दिल्ली भाजपा की तरफ से इस मुद्दे पर प्रेस कांफ्रेंस की गई, जिसमें प्रदेश अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा व विधानसभा में नेता प्रतिपक्ष रामवीर सिंह बिधूड़ी ने कहा कि हत्या का दोषी करार दिए जाने के बाद अब उनकी विधानसभा सदस्यता खत्म होना तय है।

उन्होंने मांग उठाई कि दोषी विधायक को पार्टी से निष्कासित करना चाहिए। इसके साथ ही, पार्टी को उन सभी विधायकों और नेताओं पर भी कार्रवाई करनी चाहिए, जिन पर कोर्ट में मुकदमे चल रहे हैं, क्योंकि पार्टी जिस ईमानदारी के दावे के सात सत्ता में आई वो अब दिखाई नहीं देती है। इस मौके पर मीडिया प्रमुख प्रवीण शंकर कपूर व मीडिया रिलेशन प्रमुख विक्रम मित्तल भी मौजूद रहे। भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता शहजाद पूनावाला ने कहा, आज आप का मतलब आम आदमी पार्टी नहीं है, बल्कि इसका मतलब अराजकतावादी अपराधिक पार्टी है। उन्हें न सिर्फ आत्महत्या के लिए उकसाने, बल्कि जबरन वसूली के आरोप में भी दोषी ठहराया गया है।

## बहने लगा खून और मेट्रो स्टेशन पर बेहोश हो गई बच्ची; इंस्टाग्राम की दोस्ती से रेप तक की कहानी आई सामने

**नई दिल्ली, एजेंसी।** सागरपुर इलाके में इंस्टाग्राम पर दोस्त बने नाबालिग ने मंगलवार को 12वीं की छात्रा से दुष्कर्म कर दिया। अधिक खून बहने से डाबड़ी मेट्रो स्टेशन पर जब पीड़िता अचेत हो गई तो सीआईएसएफ जवान को घटना का पता लगा।

पुलिस ने आरोपी नाबालिग को दबोच लिया है। वहीं, पीड़िता अस्पताल में ऑपरेशन के बाद डॉक्टर की निगरानी में है। 17 वर्षीय पीड़िता सरकारी स्कूल में 12वीं की छात्रा है और परिवार सहित आईजीआई एयरपोर्ट के पास रहती है। पीड़िता ने बताया कि बीते साल अक्तूबर में इंस्टाग्राम पर उसकी दोस्ती एक नाबालिग से हुई थी। वह दिल्ली कैंट के सदर बाजार स्थित सरकारी स्कूल में 12वीं का छात्र है। दोनों अक्सर इंस्टाग्राम पर चैट करते थे। वह जनकपुरी स्थित कोचिंग सेंटर में भौतिक विज्ञान पढ़ने जाती है।

नाबालिग ने मंगलवार को इंस्टाग्राम पर मैसेज कर उसे मिलने बुलाया। वह एक बजे घर से ट्यूशन पढ़ने के लिए निकली और करीब तीन बजे ट्यूशन के बाद सागरपुर स्थित काली माता मंदिर के पास पहुंची। यहां नाबालिग पहले से इंतजार कर रहा था।

वह पीड़िता को ई-रिक्शा में बैठाकर अंदर गली में अपने दोस्त के फ्लैट पर ले गया। यहां छात्रा को नशीला पदार्थ मिलाकर छोले-भटूरे खिलाए, जिसके बाद वह अचेत हो गई। इसके बाद आरोपी ने छात्रा से दुष्कर्म किया, जिसकी वजह से वह घायल हो गई। वह किसी तरह से खुद को संभालकर ई-रिक्शा से डाबड़ी मेट्रो स्टेशन पर पहुंची। इस दौरान रक्तस्त्रत्तव होने लगा तो वह बाथरूम की तरफ गई, लेकिन खून बहने से वह अचेत हो गई।

## महाठग सुकेश चंद्रशेखर का केजरीवाल के खिलाफ चुनावी ऐलान

**नई दिल्ली, एजेंसी।** जेल में बंद महाठग सुकेश चंद्रशेखर ने एक बार फिर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर कई बड़े आरोप लगाए हैं। सुकेश ने धमकी और लालच दिए जाने का आरोप लगाते हुए कहा है बड़ा चुनावी ऐलान भी किया है। सुकेश ने कहा है कि वह दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल के खिलाफ विधानसभा चुनाव लड़ेगा।

मंडोली जेल में बंद सुकेश चंद्रशेखर ने अपने वकीलों के माध्यम से मीडिया को एक लेटर जारी करके कई दावे किए हैं। उसने एक मोबाइल नंबर लिखकर दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल से पूछा है कि यह किसका नंबर है, जिससे उसके परिवार को तीन दिन से फोन किया जा रहा है। सुकेश ने लिखा, अब मुझे आपकी ओर से कर्नाटक या तमिलनाडु से लोकसभा टिकट का ऑफर किया जा रहा है, यदि मैं यह कहूं कि मुझ पर आपके, सत्येंद्र जैन और सहयोगियों के खिलाफ बोलने का दबाव बनाया गया था और आपके खिलाफ लगाए गए आरोपों और शिकायत से मुकर जाऊं। सुकेश ने आगे लिखा, केजरीवाल जी और जैन साहब साफ सुन लीजिए, अपने जेल स्टाफ, सहयोगियों या खुद से जो भी धमकी दीजिए, मैं अपना स्टैंड नहीं बदलूंगा।

## शख्स ने दिया शादी का प्रस्ताव फिर नहीं किया विवाह; महिला पहुंची कोर्ट

**नई दिल्ली, एजेंसी।** शादी के प्रस्ताव के लिए परिवार से बात करना और मिलना और उसके बावजूद विवाह के लिए राजी न होना धोखाधड़ी नहीं माना जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को एक शख्स के खिलाफ दायर याचिका की सुनवाई को खारिज करते हुए यह टिप्पणी की।

दरअसल, शख्स ने महिला के परिवार से बातचीत के बाद शादी करने से इनकार कर दिया था। शीर्ष अदालत ने माना कि विवाह प्रस्ताव शुरू करने और अंततः विवाह न हो पाने के पीछे कई कारण हो सकते हैं, जिसको देखते हुए व्यक्ति के खिलाफ मामले को खारिज कर दिया गया।

एक मीडिया की रिपोर्ट के मुताबिक, शख्स का नाम राजू कृष्ण शेडबलकर है और महिला ने राजू, उनके भाइयों, बहन और मां के खिलाफ मामला दर्ज कराया था। महिला ने आरोप लगाया था कि दोनों परिवार मिले और उसके माता-पिता ने शेडबलकर को उसके लिए उपयुक्त पाया, जिसके बाद वे दोनों एक-दूसरे से बात करने लगे थे। महिला का आरोप है।

# दिल्ली के रण में किसे उतारेगी भाजपा, लोस उम्मीदवारों की लिस्ट तैयार; 3-4 का कट सकता है पत्ता

**नई दिल्ली, एजेंसी।**
भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की दिल्ली इकाई की चुनाव समिति ने राष्ट्रीय राजधानी की सात लोकसभा सीट के लिए वास्ते पार्टी नेतृत्व को 25-30 संभावित उम्मीदवारों की सूची सौंपी है। पार्टी नेताओं ने बुधवार को यह जानकारी दी। प्रदेश भाजपा के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने बताया कि नई दिल्ली लोकसभा सीट के लिए वर्तमान सांसद मीनाक्षी लेखी के अलावा विदेश मंत्री एस जयशंकर, आवास एवं शहरी कार्य मंत्री हरदीप सिंह पुरी और दिवंगत नेता सुषमा स्वराज की बेटी बांसुरी स्वराज के नाम संभावित प्रत्याशियों में शामिल हैं।

उन्होंने कहा, डीडीयू मार्ग स्थित पार्टी मुख्यालय में भाजपा अध्यक्ष जे पी नड्डा, गृहमंत्री अमित शाह समेत राष्ट्रीय नेताओं और प्रदेश भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा की बैठक में संभावित प्रत्याशियों की सूची पर चर्चा की गई। उन्होंने कहा कि भाजपा की केंद्रीय चुनाव समिति की गुरुवार को बैठक होने वाली है। आगामी लोकसभा चुनाव के लिए जल्द प्रत्याशियों की घोषणा किए जाने की संभावना है।

यदि वर्तमान सांसदों के स्थान पर नए प्रत्याशियों को उतारने का निर्णय लिया जाता है तो इस बार पार्टी उम्मीद से पहले दिल्ली के लिए टिकटों की घोषणा कर सकती है। एक अन्य पार्टी नेता ने कहा कि ऐसी चर्चा है कि वर्तमान सात सांसदों में से कम से कम तीन-चार या सभी को पार्टी बदल सकती है। सोमवार को जिलों में दिनभर की कवायद के दौरान तैयार की गयी संभावित प्रत्याशियों की इस सूची में प्रदेश भाजपा के कई वर्तमान एवं पूर्व पदाधिकारी शामिल हैं।

भाजपा ने कहा कि इस चुनाव समिति के कई सदस्य भी संभावित प्रत्याशियों में हैं। पूर्वी दिल्ली के सांसद गौतम गंभीर और उत्तर-पश्चिमी दिल्ली के सांसद हंसराज हंस को छोड़कर बाकी पांच नेता, रमेश बिधूड़ी (दक्षिण दिल्ली), मीनाक्षी लेखी (नई दिल्ली), हर्षवर्द्धन (चांदनी चौक) और प्रवेश वर्मा (पश्चिम दिल्ली) लगातार दूसरी बार अपने लोकसभा क्षेत्रों का प्रतिनिधित्व कर रहे हैं। दिल्ली के सभी वर्तमान सांसद इस बार भी संभावित प्रत्याशियों में शामिल हैं। फीडबैक के दौरान जिला स्तर पर स्थानीय नेताओं ने दिल्ली भाजपा के उपाध्यक्ष कपिल मिश्रा, घोंडा के विधायक अजय महावर, दिनेश प्रताप समेत संभावित प्रत्याशियों के नाम सुझाए हैं।

# पश्चिमी नॉर्वे में हुआ हेलीकॉप्टर क्रैश, दुर्घटना में एक की मौत; पांच घायल

**ओस्लो , एजेंसी।** पश्चिमी नॉर्वे के पास समुद्र में एक हेलीकॉप्टर के दुर्घटनाग्रस्त होने से एक व्यक्ति की मौत हो गई और पांच घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा है कि ब्रिस्टो नॉर्वे द्वारा संचालित सिकोरस्की एस-92 विमान बुधवार को खोज और बचाव प्रशिक्षण मिशन पर था जब दुर्घटना हुई। पुलिस ने गुरुवार को एक बयान में कहा कि बचावकर्मियों ने जहाज पर सवार छह लोगों को समुद्र से बाहर निकाला, लेकिन एक को बाद में अस्पताल में मृत घोषित कर दिया गया। पुलिस ने बताया कि जीवित बचे पांच लोगों में से एक को केवल हल्की चोटें आईं, जबकि अन्य चार को हल्की से गंभीर चोटें आईं। दुर्घटना का कारण का तत्काल पता नहीं चल पाया है। हेलीकॉप्टर का निर्माण करने वाली लॉकहीड मार्टिन कंपनी सिकोरस्की ने बुधवार को कहा कि सुरक्षा उसकी सर्वोच्च प्राथमिकता है

और वह जांच में सहयोग के लिए तैयार है। ऊर्जा समूह इक्विनोर ने कहा कि हेलीकॉप्टर एक खोज और बचाव विमान था जो आम तौर पर उत्तरी सागर में कंपनी के ओसेबर्ग तेल और गैस क्षेत्र में प्लेटफार्मों पर सेवा प्रदान करता था।

## दोषी को जहरीला इंजेक्शन लगाने के लिए नस नहीं ढूंढ पाई मेडिकल टीम, मौत की सजा पर लगी रोक

**वॉशिंगटन, एजेंसी।** इडाहो में एक सीरियल कीलर को मौत की सजा देने के दौरान एक अजीबोगरीब घटना घटी। दरअसल, मेडिकल की एक टीम दोषी को इंजेक्शन देने से पहले सुई लगाने के लिए नस ही नहीं ढूंढ पाई, जिसके बाद उसकी सजा को रोक दी गई।

**मेडिकल टीम की असफल प्रयासों के बाद रोकी गई सजा:** अधिकारियों ने बताया कि 73 वर्षीय दोषी थॉमस क्रीच को एक घंटे के लिए मौत की सजा दी जाने वाली कक्ष में मेज पर बांधकर रखा गया था। मेडिकल की टीम सुई डालने के लिए बार बार उसके नस को ढूंढने का प्रयास कर रही थी। इडाहो सुधार विभाग (आईडीओसी) के निदेशक जोश तेवाल्ट ने बताया कि दोषी के हाथों और पैर में आईवी लाइन खींचने के लिए आठ बार प्रयास के बाद मौत की सजा को रोक दिया गया।

तेवाल्ट ने आगे कहा, अब हमें समय सीमा और अगले कदम के बारे में कोई जानकारी नहीं है। ये ऐसी चीजें हैं जिसके बारे में बाद में चर्चा किया जा सकता है। स्थानीय पत्रकार ने ब्रेंडा रॉडरिग्स ने बताया कि दोषी को इस दौरान कोई दर्द नहीं हुआ, लेकिन बार-बार प्रयासों के बाद उसने एक समय मेडिकल कर्मचारी को बताया कि उसके पैर में थोड़ा दर्द हो रहा है। उन्होंने आगे कहा, लगातार प्रयासों में असफलता के बाद मौत की सजा को रोक दी गई। सजा रोकने के दौरान दोषी ऊपर की तरफ देख रहा था। वह कुछ कह रहा था, जिसे मैं सुन नहीं पाई।

**इडालो में 12 वर्षों में मौत की सजा पाने वाला पहला व्यक्ति:** थॉमस क्रीच 1981 में बैटरी से भरे मोजे से अपने सेलमेट की हत्या करने के आरोप में 40 से अधिक साल से सजा काट रहा था। पिछले 12 वर्षों में इडाहो में मौत की सजा पाने वाला वह पहला व्यक्ति है। क्रीच को पांच हत्याओं के मामले में सजा सुनाई गई थी। हाल हे वर्षों में अमेरिका में कई असफल मौत की सजा हुई है, जिसमें नवंबर 2022 में अलबामा में दोषी हत्यारे केनेथ स्मिथ को घातक इंजेक्शन द्वारा मौत की सजा देने का असफल प्रयास भी शामिल है। उसे बाद में नाइट्रोजन गैस का उपयोग करके फांसी की सजा दी गई थी।

# खालिस्तानी संगठन ने कनाडा में दी भारतीय दूत को धमकी

### जहां निज्जर को मारा वहां मत आना

**टोरंटो, एजेंसी।**
कनाडा की धरती पर खालिस्तानियों की नापाक हरकतें जारी हैं। हाल ही में अलगाववादी समूह सिख फॉर जस्टिस (एसएफजे) ने ओटावा में भारत के उच्चायुक्त को धमकी दी है। भारतीय दूत उसी शहर जाने वाले हैं जहां खालिस्तानी आतंकी निज्जर की हत्या की गई थी। खालिस्तान समर्थक हरदीप सिंह निज्जर की पिछले साल 18 जून को ब्रिटिश कोलंबिया के शहर सरे में हत्या कर दी गई थी। इस हत्याकांड के बाद पहली बार भारत के उच्चायुक्त सरे जाने वाले हैं। उससे पहले खालिस्तानियों ने उन्हें निशाना बनाने की धमकी दी है।

उच्चायुक्त संजय कुमार वर्मा की ब्रिटिश कोलंबिया प्रांत की यात्रा के दौरान राजधानी विक्टोरिया के साथ-साथ वैंकूवर और सरे में रुकने की योजना है। शुक्रवार को उनका सरे की मेयर ब्रेंडा लॉक और सरे बोर्ड ऑफ ट्रेड के साथ भी बैठक

करने का कार्यक्रम है। एक ईमेल में, एसएफजे के जनरल काउंसिल गुरपतवंत पन्नू ने कहा कि उसका समूह 1 मार्च को वर्मा को टारगेट करेगा। पन्नू ने कहा, भारत शहीद निज्जर की हत्या की साजिश रचने के लिए जिम्मेदार है और खालिस्तान समर्थक सिखों को सरे में सीधे भारतीय उच्चायुक्त को निशाना बनाने का अवसर मिलेगा। सरे में विरोध प्रदर्शन भी आयोजित किया जा रहा है।

पिछले साल मार्च के बाद संजय वर्मा की ब्रिटिश कोलंबिया की यह पहली यात्रा है। एसएफजे की चेतावनी पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा, मेरे खिलाफ खतरे के बारे में संबंधित कनाडाई अधिकारियों को बता दिया गया है, जिन्होंने मुझे मेरी सुरक्षा का आश्वासन दिया है। जैसा कि आप जानते हैं, एसएफजे भारत के गैरकानूनी एसोसिएशन रोकथाम अधिनियम के तहत एक प्रतिबंधित संगठन है। यह संगठन कनाडा-भारत के समृद्ध द्विपक्षीय संबंधों को पटरी से उतारने के अपने मंसूबे दिखाता रहता है। पन्नू द्वारा निशाना बनाए जाने की ओर इशारा करते हुए, संजय वर्मा ने कहा, वह काफी समय से ऐसा कर रहा है। उस पर कोई बंदिशें नहीं लगाई गई हैं। वह अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता का दुरुपयोग कर रहा है।

## पश्चिमी होंडुरास में 2 बसों की हुई टक्कर, हादसे में 17 लोगों की मौत और 14 घायल

**होंडुरास, एजेंसी।** पश्चिमी होंडुरास के एक गाँव में बुधवार को दो बसें आमने-सामने टकरा गईं। इस दौरान हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए जिनमें से चार गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि ला मोंटेनिटा में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के समय दोनों बसें मध्यम गति से यात्रा कर रही थीं। पश्चिमी होंडुरास में 2 बसों की हुई टक्कर, हादसे में 17 लोगों की मौत और 14 घायल एपी, तेगुसीगाल्पा (होंडुरास)। पश्चिमी होंडुरास के एक गाँव में बुधवार को दो बसें आमने-सामने टकरा गईं। इस दौरान हादसे में 17 लोगों की मौत हो गई और 14 घायल हो गए, जिनमें से चार गंभीर रूप से घायल हो गए। अधिकारियों ने कहा कि ला मोंटेनिटा में प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि दुर्घटना के समय दोनों बसें मध्यम गति से यात्रा कर रही थीं। अधिकारियों ने कहा कि एक बड़ी बस में केवल उसका ड्राइवर और एक सहायक था, जब वे ग्वाटेमाला की सीमा पर अगुआ कैलिएंट सीमा शुल्क चौकी से प्रवासियों के एक समूह को छोड़ने के बाद वापस लौट रहे थे। एक छोटी बस विपरीत दिशा में जा रही थी और यात्रियों से भरी हुई थी। पश्चिमी होंडुरास में 911 आपातकालीन प्रणाली की प्रवक्ता एलेक्सिया मेजिया ने एसोसिएटेड प्रेस को बताया कि सभी घायल और मृतक छोटी बस में यात्रा कर रहे थे और होंडुरास के रहने वाले हैं और बड़ी बस खाली थी।

स्वामी प्रकाशक एवं मुद्रक:- देवेन्द्र मालवीय द्वारा श्री सिंध्दी विनायक प्रिंटर्स 26 बी देशबंधु परिसर प्रेस काम्प्लेक्स झोन 1 एम पी नगर भोपाल म.प्र. से मुद्रित एवं 773 / 19 मेघदूत नगर इंदौर म.प्र. से प्रकाशित सम्पादक डॉ. देवेन्द्र मालवीय
कार्यालय पता:- 435 ऑर्बिट मॉल विजय नगर, इंदौर मध्यप्रदेश मो:- 98276-22204 सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र इंदौर रहेगा।

दैनिक समाचार पत्र में प्रकाशित समस्त सूचनाए, विचार,आलेख विभिन्न समाचार के स्त्रोत एवं संकलन लेखकों के व संकलनकर्ता के स्वंय जिनका संकलन विभिन्न एजेंसियों, के माध्यम से किया गया है, अतः समस्त प्रकार के प्रकाशन हेतु संपादक, प्रकाशक, मुद्रक का प्रत्यक्ष या परोक्ष रूप से सहमत होना अनिवार्य नही है।